राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 23 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–328 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के अलग-अलग हिस्सों में कोरोना के नए वेरिएंट JN.1 की दस्तक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस अपने एक और नए वेरिएंट जेएन.1 के साथ फिर से दस्तक दे रहा है। देश के अलग-अलग शहरों में इससे संक्रमित मरीज मिले हैं जिसे लेकर चिंता बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जेएन.1 को वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट करार दिया है। साथ ही कहा कि इससे वैश्विक जनस्वास्थ्य के लिए ज्यादा खतरा नहीं है। भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार,जेएन.1 के मामले अमेरिका, चीन, सिंगापुर और भारत में पाए गए हैं। चीन में इस स्वरूप के 7 मामले सामने आए हैं। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हेल्थ फैसिलिटीज की तैयारियों का जायजा लिया और राज्यों से सतर्कता बढ़ाने की अपील की। चलिए जानते हैं कि भारत के किस शहर में कोविड-19 के कितने नए मरीज मिले हैं...

नोएडा में मिला एक संक्रमित

नोएडा का रहने वाला एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। यह उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पिछले कई महीनों में संक्रमण का पहला मामला है। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि संक्रमित पाया गया मरीज 54 वर्षीय पुरुष है जो नोएडा में रहता है लेकिन गुरुग्राम स्थित मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है। शर्मा ने कहा, उसका सैंपल जीनोम सिक्वेन्सिंग के लिए दिल्ली भेजा गया है। नतीजे का इंतजार है। जिला निगरानी अधिकारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार ने बताया कि मरीज ने इस महीने की शुरुआत में नेपाल की यात्रा की थी। वह वहां से लौटने के बाद गुरुग्राम स्थित अपनी ऑफिश भी गया था।

गुरुग्राम की महिला में कोरोना संक्रमण–गुरुग्राम में विदेश से लौटी एक महिला में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया है। गुरुग्राम में एक अधिकारी ने बताया कि विभाग ने गुरुवार को 62 ऐसे संदिग्ध मरीजों की पहचान की, जो नगरीय अस्पताल की ओपीडी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों को दिखाने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनकी पहचान करने के बाद सभी के सैंपल लिए गए और जांच के लिए उन्हें प्रयोगशाला भेजा गया।

इंडिया गठबंधन को लेकर पंजाब कांग्रेस ने कर दिया एक बड़ा ऐलान

घर बैठना पसंद लेकिन आप के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ना नहीं

● पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि उन्हें पंजाब में आप के साथ किसी भी तरह की बातचीत करने के लिए कांग्रेस आलाकमान की ओर से कोई आदेश नहीं दिया गया है

नयी दिल्ली। लुधियाना के जगराओं की दाना मंडी में राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए आप सरकार के खिलाफ विरोध रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व ने घोषणा की कि अगले लोकसभा चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक के तहत आप के साथ कोई भी गठबंधन उन्हें अस्वीकार्य है। हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी वाली रैली में यह घोषणा करने वाले नेताओं में विधायक परगट सिंह, पीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा शामिल थे।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि उन्हें पंजाब में आप के साथ किसी भी तरह की बातचीत करने के लिए कांग्रेस आलाकमान की ओर से कोई आदेश नहीं दिया गया है, लेकिन अगर ऐसा कुछ हुआ तो वह लड़ाई लड़ेंगे। वारिंग ने यह भी कहा कि वह पंजाब कांग्रेस नेतृत्व और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को दिल्ली तक पहुंचाएंगे। पीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू साझा मंच से गायब थे, जिन्होंने पहले गठबंधन के पक्ष में बात की थी।

आशु ने कहा कि वह आत्महत्या करने (ऐसे गठबंधन का हिस्सा बनने) के बजाय लोकसभा चुनाव के दौरान घर पर बैठना पसंद करेंगे जबकि बाजवा ने घोषणा की एह रिश्ता सानू मंजूर नहीं (यह रिश्ता हमें स्वीकार्य नहीं है)। आशु ने मंच से बाजवा और वारिंग से पूछा, अगर यह गठबंधन हुआ तो आप किस मुंह से कार्यकर्ताओं से मिलेंगे?

कौन करेगा जवानों की रक्षा? पुंछ हमले पर संजय राउत ने सरकार से पूछा सवाल

नयी दिल्ली। विपक्षी नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकवादी हमले की निंदा की है, जिसमें पांच सैनिकों की जान चली गई और सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) के फायरब्रांड सांसद संजय राउत, जो सरकार की मुखर आलोचना के लिए जाने जाते हैं, ने पुंछ में घात और 2019 के पुलवामा हमले के बीच समानताएं बताईं, जिसमें 40 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मारे गए थे। राउत ने कहा कि कल पुंछ में हुआ आतंकवादी हमला पुलवामा हमले की पुनरावृत्ति है। सरकार सो रही है। क्या आप (भाजपा) फिर से हमारे जवानों के बलिदान पर राजनीति करना चाहते हैं? क्या आप 2024 में पुलवामा मुद्दे पर फिर से वोट मांगना चाहते हैं? अगर हम पुंछ घटना के बारे में सवाल पूछते हैं, तो वे हमें दिल्ली या देश से बाहर निकाल देंगे। उनका कहना था कि धारा

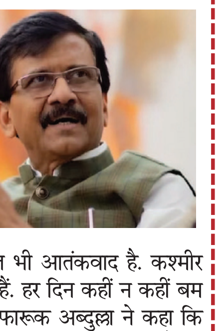

370 आतंकवाद के लिए जिम्मेदार है। आज भी आतंकवाद है. कश्मीर में कर्नल और कैप्टन जैसे अधिकारी मर रहे हैं. हर दिन कहीं न कहीं बम फूटता है... क्या आतंकवाद ख़त्म हो गया? फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है, लेकिन बीजेपी सिर्फ ढिंढोरा पीट रही है कि आतंकवाद खत्म हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्रियों गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती ने भी हमले की निंदा की है। पुंछ जिले में आतंकवादियों के लक्षित हमले में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए। हमला अपराह्न लगभग 3-45 बजे हुआ जब सेना के दो वाहन, जो घेराबंदी और तलाशी अभियान का समर्थन करने जा रहे थे, धत्यार मोड़ के पास एक अंधे मोड़ पर घात लगाकर हमला किया गया।

विधानसभा चुनाव में हार का बदला लेने के लिए विपक्ष ने नहीं चलने दी संसद: जोशी

नयी दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष ने विधानसभा चुनावों की करारी हार का बदला लेने के लिए साजिश के तहत दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दी।

श्री जोशी ने संसद के शीतकालीन सत्र के गुरूवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किये जाने के बाद आज यहां संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल के साथ संवाददाता सम्मेलन में सवालों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि चार दिसम्बर को सत्र शुरू होने के बाद कार्यवाही सुचारू रूप से चल रही थी और विपक्ष को लगा कि सरकार तो विधेयक पर विधेयक पारित करा रही है और वे कुछ नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद की सुरक्षा में चूक की घटना होने के बाद भी लोकसभा और राज्यसभा में 40

मिनट तक कार्यवाही चली लेकिन पता नहीं अचानक कहां से क्या निर्देश आया और विपक्ष ने व्यवधान शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही में व्यवधान ध्यान भटकाने के लिए साजिश के तहत पैदा किया गया।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता सत्ता पक्ष के सदस्यों के साथ बातचीत में भी कहते थे कि चुनाव परिणाम आप लोगों के लिए अच्छे रहे हैं और संसद की कार्यवाही भी चल रही है तथा इस बातचीत के दौरान पता चलता था कि विपक्ष के मन में इस बात का मलाल है।

श्री मेघवाल ने कहा कि न्याय संहिता से जुड़े तीनों विधेयकों पर चर्चा के लिए 12 घंटे का समय रखा गया था लेकिन विपक्ष ने इसे 15 घंटे करने की मांग की जिसे मान लिया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष इन विधेयकों पर चर्चा करना चाहता था लेकिन अचानक कुछ साजिश हुई जिसके कारण कार्यवाही में व्यवधान पैदा किया गया।

फ्रांस के राष्ट्रति मैक्रों होंगे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। बता दें, भारत ने अगले वर्ष जनवरी में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के तहत गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राष्ट्रपति बाइडन को आमंत्रित किया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों के चलते जनवरी में यहां आने में असमर्थता जताई।

इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया।

जुलाई में हुई थी मुलाकात

गौरतलब है, इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैक्रों के आमंत्रण पर जुलाई में फ्रांस गए थे। बैस्टिल डे परेड में भाग लेने के दौरान दोनों नेताओं ने मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने बैस्टिल दिवस समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया था। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी की 25 वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए पीएम मोदी ने फ्रांस का दौरा किया था।

क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के अंत में होने का प्रस्ताव

सूत्रों ने बताया कि भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 के अंत में आयोजित होने का प्रस्ताव हैं। सूत्रों ने कहा, हम संशोधित तारीखों पर निर्णय लेने पर विचार कर रहे हैं। क्योंकि वर्तमान में विचाराधीन तारीखें सभी क्वाड भागीदारों के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में जापान के हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर घोषणा की थी कि भारत अगले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। बता दें क्वाड में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान देश शामिल हैं। जिसका उद्देश्य स्वतंत्र, खुला और समृद्ध इंडो-पैसेफिक क्षेत्र सुनिश्चित करना और उसका समर्थन करना है।

गौरतलब है, इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैक्रों के आमंत्रण पर जुलाई में फ्रांस गए थे। बैस्टिल डे परेड में भाग लेने के दौरान दोनों नेताओं ने मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने बैस्टिल दिवस समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया था।

छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल का विस्तार: 9 मंत्रियों ने ली शपथ

रायपुर। राजभवन में छत्तीसगढ़ कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह जारी है। दयाल दास बघेल ने मंत्री पद की शपथ ली।शपथ ग्रहण समारोह में बृजमोहन अग्रवाल, लखन लाल देवांगन, राम विचार नेताम, टंक राम वर्मा, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, दयाल दास बघेल, केदार कश्यप और लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री पद की शपथ ली। राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर विष्णु देव साय और उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ अरुण साव व विजय शर्मा ले चुके है। पिछले कुछ दिनों से मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा जारी थी। गुरुवार की रात को आखिरकार तय हो गया कि विष्णु देव साय मंत्रिमंडल के सदस्य कौन-कौन होंगे।

उद्धव ठाकरे को नहीं मिला राम मंदिर उद्घाटन समारोह का न्योता

नई दिल्ली। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके मुख्य अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्षी नेताओं को भी इसका न्योता दिया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी को भी आमंत्रण भेजा गया है। इस बीच खबर आ रही है कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को अभी तक आमंत्रित नहीं किया गया है।

आपको बता दें कि उद्धव ठाकरे ने सितंबर महीने में दावा किया था कि राम मंदिर उद्घाटन समारोह के लिए देश भर से बड़ी संख्या में लोगों के उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जुटने की उम्मीद की जा रही है। इसकी वापसी यात्रा के दौरान गोधरा जैसी घटना हो सकती है।

जलगांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा था, ऐसी संभावना है कि सरकार राम मंदिर उद्घाटन के लिए बसों और ट्रकों में बड़ी संख्या में लोगों को आमंत्रित कर सकती है और उनकी वापसी यात्रा पर गोधरा जैसी घटना हो सकती है।

सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक राज्य के लिए 22 जनवरी को होने वाले अभिषेक समारोह के बाद मंदिर के दर्शन के लिए एक दिन तय किए जाएंगे। कुछ विशेष ट्रेन की भी व्यवस्था की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रियों को भी उनके राज्यों के भक्तों के साथ दर्शन के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उनके स्वागत के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, सीपीआई महासचिव डी राजा, बीएसपी प्रमुख मायावती और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को निमंत्रण भेजा जा रहा है। हालांकि, उद्धव ठाकरे के नाम का जिक्र किसी ने नहीं किया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि शिवसेना सुप्रीमो और बाला साहब ठाकरे के बेटे को इस समारोह के लिए बुलाया जाता है या नहीं।

● सूत्रों ने बताया कि सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, सीपीआई महासचिव डी राजा, बीएसपी प्रमुख मायावती और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को निमंत्रण भेजा जा रहा है। हालांकि, उद्धव ठाकरे के नाम का जिक्र किसी ने नहीं किया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि शिवसेना सुप्रीमो और बाला साहब ठाकरे के बेटे को इस समारोह के लिए बुलाया जाता है या नहीं।

मनमोहन ने दिया अवॉर्ड, मोदी भी करते हैं पसंद; कैसे कलेक्टर से मंत्री बन गए ओपी चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता पूर्व ढ्ढस् ओपी चौधरी के बारे में आज आपको बताते है। कलेक्टर रहने के बाद साल 2018 से वह भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में काम करने लगे। भाजपा ने ओपी को साल 2018 के विधानसभा के चुनाव में खरसिया सीट से प्रत्याशी बनाया लेकिन ओपी चुनाव हार गए। इसी हार के साथ भाजपा की सक्रिय राजनीति में पहुंचे। भाजपा ने ओपी चौधरी को छत्तीसगढ़ में भाजपा का पदाधिकारी बना दिया।? इसके बाद लगातार ओपी चौधरी का केंद्रीय नेतृत्व के साथ नजदीकियां गहरी होती गइ। छत्तीसगढ़ में बीजेपी के राष्ट्रीय लेवल के कई कार्यक्रमों के दौरान ओपी, अमित शाह के सांथ नजर आते थे। छत्तीसगढ़ के सीएम की रेस में भी ओपी चौधरी का नाम चल रहा था बरहाल उन्हें छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री बना दिया गया है।

बचपन में छूटा पिता का साथ

2 जून 1981 को खरसिया में जन्मे ओपी चौधरी के पिता सरकारी शिक्षक थे ओमप्रकाश केवल 5 साल के थे तब उनके ऊपर से पिता का साया उठ गया था। पिता की मौत के बाद माता की आंचल में ओपी चौधरी पले बढ़े। चौधरी नेअपनी शुरुआती पांचवी क्लास तक की पढ़ाई अपने गांव से की। उसके बाद आठवीं क्लास तक की पढ़ाई उन्होंने जैमुरी शिक्षा स्कूल से की। वही 12वीं तक सरकारी स्कूल में पढ़ने के बाद ओपी चौधरी क्क्षञ्ज का टेस्ट पास करने में असफल रहे। ओपी का सपना बचपन से ही ढ्ढस् बनने का था। इसके बाद वह इस की तैयारी के लिए निकल पड़े।?

पहले प्रयास में UPSC फिर कलेक्टर

यूपीएससी की पढ़ाई करने के दौरान उन्होंने पहली बार यूपीएससी का पेपर दिया और पहले प्रयास में ही एक्जाम क्रैक कर लिया। जब ओपी चौधरी कलेक्टर बने थे तो वह केवल 23 साल के थे। साल 2005 बैच के आईएएस ओपी को साल 2006 में सबसे पहले सहायक कलेक्टर के रूप में कोरबा में उनकी पोस्टिंग हुई थी। इसके बाद साल 2007 में उन्हें रायपुर में एसडीएम बनाया गया था साल 2007 में उन्हें जांजगीर चांपा जिले में जिला पंचायत का सीईओ बनाया गया। इसके बाद वह रायपुर नगर निगम के कमिश्नर भी रहे हैं। वहीं साल 2011 में उन्हें दंतेवाड़ा में कलेक्टर के तौर पर बैठाया गया। उसके बाद रायपुर कलेक्टर के रूप में उन्होंने काम किया है।

ओपी जब दंतेवाड़ा के कलेक्टर थे उसे दौरान आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों को विज्ञान के प्रति प्रोत्साहित करने इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज में विशेष कोचिंग की सुविधा इसके साथ ही आवासीय स्कूल की शुरुआत जैसे उन्होंने सराहनीय काम किए थे। इसके साथ ही चौधरी ने गीदम ब्लॉक में साल 2011 के दौरान शिक्षा के एक बड़े केंद्र के रूप में उसे विकसित किया था। लाइवलीहुड कॉलेज की शुरुआत करने के पीछे ओपी चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है जिसे बाद में प्रदेश स्तर पर लागू किया गया। इन्हीं उपलब्धियों के कारण साल 2011-12 में उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के द्वारा एक्सीलेंस अवार्ड से भी नवाज़ा गया था।

राजनीति में कैसे हुई शुरूआत

13 साल अधिकारी रहते हुए साल 2018 के दौरान ओपी चौधरी रायपुर कलेक्टर थे। उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके बाद भाजपा ने उन्हें खरसिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाया।? लेकिन ओपी चौधरी कांग्रेस पार्टी के नेता उमेश पटेल से चुनाव हार गए।? चुनाव में हार के बाद ओपी भाजपा में बेहद ही सक्रिय हो गए। इसके बाद उन्हें छत्तीसगढ़ में भाजपा ने प्रदेश महामंत्री पद पर बैठाया। साल 2023 के चुनाव में ओपी चौधरी को भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर विधानसभा का टिकट दिया। इस बार ओपी रायगढ़ से चुनाव के मैदान में उतरे थे। रायगढ़ विधानसभा से ओपी चौधरी ने कांग्रेस के प्रत्याशी व सिटिंग विधायक प्रकाश नायक को 64443 वोटो से चुनाव हराया। इसी जीत के साथ चौधरी पहली बार छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचे। साल 2023 में मुख्यमंत्री कौन बनेगा की चर्चा में ओपी नाम सामने आ रहा था लेकिन इस बीच? यह तय माना जा रहा था कि अमित शाह के करीबी ओपी साय? मंत्रिमंडल में जरूर शामिल होंगे। आखिरकार छत्तीसगढ़ सरकार में ओपी चौधरी मंत्री बना दिए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दूरसंचार में सुधार

देश में आजादी से पहले गिनती के टेलीफोन हुआ करते थे, पर अब भांति-भांति के फोन सब्सक्राइबर की संख्या एक अरब की संख्या को पार कर चुकी है। जब 74 करोड़ से ज्यादा इंटनरेट उपयोक्ता हो गए हैं, तब दूरसंचार संबंधी कानूनों को बदलना बहुत जरूरी है। संसद में दूरसंचार विधेयक, 2023 को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया है और इसकी खूब चर्चा हो रही है। जिस देश में ज्यादातर लोगों के हाथों में फोन हो, वहां उससे संबंधित किसी कानून का बनना या बदलना स्वाभाविक ही रोचक विषय है। यह विधेयक उपग्रह स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन की अनुमति देता है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए लाइसेंस व्यवस्था को प्राधिकरण व्यवस्था से बदल देता है। कानून में उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के उपायों को मजबूत करता है और विवाद समाधान के लिए चार-स्तरीय संरचना भी प्रदान करता है। नया विधेयक इसलिए भी मायने रखता है, क्योंकि यह भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम (1885) और वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम (1933) का भी स्थान लेगा। भारत में दूरसंचार क्षेत्र में जिस ढंग से बदलाव हुए हैं, उसमें निजी क्षेत्र की पकड़ बहुत मजबूत हो गई है। निस्संदेह, नया दूरसंचार कानून सरकार के हाथ मजबूत करेगा। विगत दशकों में हमने देखा है कि देश में सिम कार्ड एक तरह से गली-गली में बंटे हैं। मोटे तौर पर दो ही बड़ी कंपनियां मैदान में मजबूती से बची हैं, पर जब लगभग छह कंपनियां सक्रिय थीं, तब किसी भी मोहल्ले में लोगों से ज्यादा सिम कार्ड पाए जाते थे। जाहिर है, सिम कार्ड लेने के लिए फर्जीवाड़ा भी खूब हुआ। बढ़ती सुविधा के साथ साइबर ठगी को भी बल मिला, पर नए कानून के लागू होने के बाद अगर कोई गलत ढंग से सिम लेता है, तो उसे तीन साल की सजा या 50 लाख रुपये तक के आर्थिक दंड का भागी बनना पड़ सकता है। ऐसे कड़े कानून के बाद अगर फर्जी ढंग से सिम कार्ड का बंटना रुक जाएगा, तो यह निस्संदेह देशहित में होगा। इससे साइबर ठगी रोकने में भी मदद मिलेगी। ग्राहक सत्यापन में कड़ाई बरती जाएगी, इसकी शिकायत हो रही है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां तकनीक का दुरुपयोग आम बात है, यह उचित है। संदिग्ध या अपराधी ग्राहकों या उपयोक्ताओं पर निगरानी का भी साया रहेगा। गोपनीयता की चिंता जताई जा रही है, पर जरूरी होने पर गोपनीयता में सेंध सरकार के लिए मजबूरी है। सरकार किसी संदेश को बीच में ही रोकने में सक्षम होगी। हां, प्रेस को छूट दी गई है। वाट्सएप इत्यादि के जरिये होने वाली कॉल और ओटीटी मैसेजिंग की भी निगरानी संभव हो जाएगी। गौर करने की बात है कि दूरसंचार पर सरकार का कब्जा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि दूरसंचार का ज्यादातर काम निजी कंपनियों के हाथों में है और निजी कंपनियों में प्रत्यक्ष या परोक्ष ढंग से विदेशी पैसा भी लगा हुआ है। विशेष रूप से उपद्रवग्रस्त इलाकों में सरकार पहले भी किसी नेटवर्क को अपने हाथ में लेती रही है, अब इस कानून के जरिये उसे इस काम में आसानी होगी। आम आदमी के नजरिये से देखें, तो दूरसंचार के क्षेत्र को अच्छी सेवाओं के पैमाने पर अभी बहुत आगे जाना है और तकनीक को ज्यादा सहज होना है। इन कानूनों में किए गए अनेक प्रावधान बहुत जरूरी हैं, अगर यह भावी कानून आम आदमी को सुरक्षित करता है, तमाम तरह की ठगी से बचाता है, तो यह कानून सच्चे अर्थों में प्रशंसनीय हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

अब तो बादलों में भी मौजूद हैं माइक्रोप्लास्टिक

मुकुल व्यास

दुनिया में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों से होने वाला प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। पश्चिमी प्रशांत महासागर स्थित 11 किलोमीटर गहरी मारियाना ट्रेंच से लेकर माउंट एवरेस्ट की चोटी तक, पृथ्वी पर लगभग सभी जगह माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं। अब एक नए अध्ययन से पता चला है कि प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े हमारे बादलों में भी मौजूद हैं और वे हमारे द्वारा खाए और पिए जाने वाली लगभग हर चीज को दूषित कर सकते हैं। जापान में शोधकर्ताओं ने माउंट फूजी और माउंट ओयामा पर चढ़ाई की और उनकी चोटियों पर छाई धुंध के पानी में माइक्र5प्लास्टिक पाया। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक हिरोशी ओकोची ने कहा, अगर प्लास्टिक वायु प्रदूषण के मुद्दे से सक्रिय रूप से नहीं निपटा गया, तो जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक जोखिम एक वास्तविकता बन सकते हैं। इससे भविष्य में अपरिवर्तनीय और गंभीर पर्यावरणीय क्षति हो सकती है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बादलों से पानी इकट्ठा करने के लिए माउंट फ़ूजी और माउंट ओयामा पर चढ़ाई की। फिर उन्होंने नमूनों के भौतिक और रासायनिक गुणों को निर्धारित करने के लिए उन पर उन्नत इमेजिंग तकनीक लागू की। शोधकर्ताओं ने हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक में अलग-अलग प्रकार के नौ पॉलिमर और एक प्रकार के रबड़ की पहचान की, जिनका आकार 7.1 से 94.6 माइक्रोमीटर तक है। बादल के प्रत्येक लीटर पानी में प्लास्टिक के 6.7 से 13.9 टुकड़े पाए गए। इसके अलावा 'हाइड्रोफिलिक' या जल-प्रेमी पॉलिमर भी प्रचुर मात्रा में थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, इससे पता चलता है कि ये कण तेजी से बादल बनने की प्रक्रिया में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार जलवायु प्रणालियों में उनका योगदान महत्वपूर्ण होता हैं। ओकोची ने कहा, जब माइक्रोप्लास्टिक ऊपरी वायुमंडल में पहुंचते हैं और सूरज की रोशनी से पराबैंगनी विकिरण के संपर्क में आते हैं,तब उनमें क्षय होने लगता है। इससे ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि होती है। नए प्रमाणों ने माइक्रोप्लास्टिक को व्यापक पर्यावरणीय नुकसान के अलावा, हृदय और फेफड़ों के स्वास्थ्य तथा कैंसर से जोड़ा है। माइक्रोप्लास्टिक हाल के वर्षों में सुर्खियों में आए हैं,क्योंकि उनके अनुचित निपटान के परिणामस्वरूप कई टन कचरा समुद्र में पहुंच गया है। हर साल प्लास्टिक कचरे की बहुत बड़ी मात्रा का पुनर्चक्रण नहीं होता। इसका मतलब यह है कि वह समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में मिल रहा है। कणों के अलग-अलग आकार के कारण वर्तमान जल प्रणालियां माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को प्रभावी ढंग से फिल्टर करने में असमर्थ हैं। प्लास्टिक हजारों वर्षों तक नष्ट नहीं होता और अनुमान है कि महासागरों में पहले से ही प्लास्टिक की लाखों वस्तुएं मौजूद हैं। भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि प्लास्टिक के पुनर्चक्रण के लिए कठोर कदम नहीं उठाए गए तो दुनिया के महासागरों में प्लास्टिक कचरे की मात्रा 2050 तक मछलियों से अधिक हो जाएगी। एक अन्य शोध से पता चला कि दुनिया का 80 प्रतिशत से अधिक नल का पानी प्लास्टिक से दूषित है। अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने पाया कि अमेरिका में पानी में प्लास्टिक प्रदूषण की दर 93 प्रतिशत है जो दुनिया में सबसे अधिक है। कुल मिलाकर दुनिया भर के दर्जनों देशों के 83 प्रतिशत पानी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है। बोतलबंद पानी एक सुरक्षित विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि विज्ञानियों को उसमें भी दूषित नमूने मिले हैं। एक अन्य अध्ययन से पता चला कि मनुष्य के शरीर में भी प्रतिदिन विषाक्त माइक्रोप्लास्टिक कण पहुंच रहे हैं। इन कणों की मात्रा इतनी अधिक है कि सप्ताह भर में एक पूरे क्रेडिट कार्ड जितना माइक्रोप्लास्टिक सांस के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है। 'फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्षों में चेतावनी दी गई है कि प्लास्टिक उत्पादों के क्षरण से उत्पन्न होने वाले सूक्ष्म कण हमारी श्वसन प्रणाली सहित संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने श्वसन प्रणाली के ऊपरी वायुमार्ग में माइक्रोप्लास्टिक कणों के परिवहन और जमाव का विश्लेषण करने के लिए एक कंप्यूटर मॉडल विकसित किया था। इस दल में सिडनी के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी शामिल थे। माइक्रोप्लास्टिक कण दरअसल प्लास्टिक के सूक्ष्म कण होते हैं जो आमतौर पर 5 मिलीमीटर से कम लंबाई के होते हैं। ज्यादातर ये कण लंबी अवधि में बड़े प्लास्टिक उत्पादों के विखंडन से उत्पन्न होते हैं। अत्यंत सूक्ष्म कणों को माइक्रोबीड्स भी कहा जाता है जिन्हें सौंदर्य उत्पादों और टुथपेस्ट आदि में प्रयुक्त किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से विज्ञानी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि इन कणों से स्वास्थ्य पर कई तरह के प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। इन कणों के बिस्फेनॉल और फेलेट्स जैसे रासायनिक घटक हार्मोनों को बाधित करने के लिए जाने जाते हैं। ये रसायन कैंसर, बांझपन और समय-पूर्व यौवन से जुड़े हुए हैं। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चला है कि मानव वायुमार्ग की गहराई में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक श्वसन प्रणाली के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकते हैं। दुनिया में माइक्रोप्लास्टिक का उत्पादन बढ़ रहा है। हवा में माइक्रोप्लास्टिक का घनत्व काफी बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं ने धीमे और तेज सांस लेने की स्थिति में 1.6 से 5.56 माइक्रोन के विभिन्न माइक्रोप्लास्टिक कणों के प्रवाह का पता लगाया। नए अध्ययन में पाया गया कि विषाक्त प्रदूषकों वाले ये प्लास्टिक कण नाक की गुहा या गले के पीछे इकट्ठा होते हैं। उनके जमा होने की दर सांस लेने की स्थिति और कणों के आकार पर निर्भर करती है। डॉ. इस्लाम ने कहा, वायुमार्ग की जटिल और अत्यधिक विषम संरचनात्मक आकृति तथा नाक की गुहा और गले के मध्य भाग में जटिल प्रवाह व्यवहार के कारण माइक्रोप्लास्टिक कण अपने प्रवाह पथ से विचलित हो जाते हैं और इन क्षेत्रों में जमा हो जाते हैं। उन्होंने कहा, प्रवाह की गति, कण की जड़ता और विषम संरचना समग्र जमाव को प्रभावित करती है और नाक की गुहाओं और गले के मध्य भाग में जमाव को बढ़ाती है। वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया कि बढ़े हुए प्रवाह से कम जमाव हुआ और लगभग 5.56 माइक्रोन के बड़े माइक्रोप्लास्टिक कण छोटे कणो की तुलना में वायुमार्गों में अधिक बार जमा हुए। ये निष्कर्ष माइक्रोप्लास्टिक कणों से संपर्क और सांस के जरिए उनके शरीर में पहुंचने के खतरों को उजागर करते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण के उच्च स्तर या औद्योगिक गतिविधि वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच इस तरह के खतरे बहुत ज्यादा हैं। हम जिस हवा में सांस लेते हैं,उसमें माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थिति और उसके संभावित स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में अधिक जागरूकता आवश्यक है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

अब समझौते को क्रियान्वित करने का वक्त

डॉ. शशांक द्विवेदी

दुबई में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन या कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़ (कॉप-28) का 28वां संस्करण कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा। कॉप शिखर बैठकों का मूल उद्देश्य ऐसे बाध्यकारी समझौतों को अंजाम देना था जो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को सीमित करने में मदद करे। पेरिस समझौते के बाद के दौर में इसमें काफी बदलाव आया है। जलवायु परिवर्तन पर कॉप सम्मेलन विकासशील और कमजोर देशों के लिए बढ़ते जलवायु प्रभावों के बीच सामूहिक रूप से अपनी जरूरतों के बारे में आवाज उठाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। कॉप-28 में पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के दीर्घकालिक लक्ष्य को बरक़रार रखा गया है, 2015 में पेरिस में हुए समझौते में क़रीब 200 देशों में इसे लेकर सहमति बनी थी। संयुक्त राष्ट्र में जलवायु पर नज़र रखने वाली संस्था, इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के अनुसार, 1.5 डिग्री सेल्सियस वह अहम लक्ष्य है, जिससे जलवायु परिवर्तन के ख़तरनाक असर को रोका जा सकता है। कॉप-28 में जलवायु और स्वास्थ्य को लेकर एक व्यापक समझौता हुआ। वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 2030 तक तीन गुना करने के लक्ष्य को 20 देशों का समूह अपने नई दिल्ली घोषणापत्र में ही आगे बढ़ा चुका है। दूसरा लक्ष्य था 22 देशों द्वारा 2050 तक नाभिकीय ऊर्जा को तीन गुना करने का लक्ष्य। नाभिकीय ऊर्जा संबंधी घोषणा पर काफी मतभेद देखने को मिले। यूरोपीय संघ के भीतर भी दो प्रमुख शक्तियों फ्रांस और जर्मनी का नजरिया इस विषय पर एकदम अलग-अलग है। वास्तव में नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन में इजाफा किए बिना उत्सर्जन में कमी का कोई लक्ष्य हासिल नहीं होगा। आज भी वर्षों से बंद पड़े संयंत्रों और सीमित निवेश के बाद 30 देशों में करीब 400 नाभिकीय रिएक्टर अभी भी दुनिया की कुल बिजली का 10 फीसदी उत्पादित कर रहे हैं। दुनिया के कम कार्बन वाले उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी 25 फीसदी है। कॉप-28 जलवायु सम्मेलन के पहले दिन हानि और क्षति निधि को संचालित करने पर सहमति बनी, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यूएई और जर्मनी दोनों ने 100-100 मिलियन डॉलर देने का वादा किया, वहीं यूके ने 50.5 मिलियन डॉलर देने का वादा किया। दुनिया के सबसे बड़े उत्सर्जक अमेरिका ने इस फंड में 17.5 मिलियन डॉलर देने का वादा किया। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे कई मायनों में अभूतपूर्व बताया, लेकिन उन्होंने बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके अपर्याप्त होने की चिंता भी जताई है। जलवायु परिवर्तन से संबंधी वैश्विक बातचीत में पहली बार 134 देशों ने खेती, खाने-पीने की चीजों और जलवायु कार्रवाई से जुड़ी ऐतिहासिक घोषणा पर दस्तख्त किए हैं। घोषणा में उन क्षेत्रों में खाने-पीने की चीजों के उत्पादन, परिवहन और खान-पान के तरीकों को बदलने के लिए राष्ट्रीय एक्शन प्लान बनाने की बात कही गई है जो दुनियाभर में लगभग एक-तिहाई उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। दुबई में संपन्न जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 28वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-28) में पहली बार बदलाव दिखा। बैठक के दौरान कम से कम 134 देश टिकाऊ खेती, बेहतर खाद्य प्रणाली पर दस्तख्त करने के लिए एक साथ आए। इन देशों में 5.7 अरब से ज्यादा लोग रहते हैं। साथ ही, दुनिया भर में खाने-पीने की चीजों की खपत का लगभग 70 प्रतिशत यहीं होता है। यही नहीं, लगभग 50 करोड़ किसान भी यहीं रहते हैं और वैश्विक खाद्य प्रणाली से कुल उत्सर्जन का 76 प्रतिशत भी यहीं से होता है। दुबई में हुई खेती-बाड़ी से जुड़ी घोषणा से खाद्य और कृषि संगठन रिजनरेटिव खेती को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होंगे। साल 2030 तक 16 करोड़ हेक्टेयर भूमि को रिजनरेटिव खेती के तहत लाया जाएगा। साथ ही आने वाले समय में 2.2 बिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा और दुनिया भर में 36 मिलियन किसानों को इसमें शामिल किया जाएगा। रिजनरेटिव खेती समय के साथ मिट्टी को ख़राब करने के बजाय उसे बहाल करने और उसकी सेहत को बेहतर रखने के उपाय करती है। दरअसल, खेती जलवायु परिवर्तन की एक अहम वजह है। कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग एक-तिहाई (21-37 प्रतिशत की सीमा में) खेती और उससे जुड़ी प्रणालियों, खेती और भूमि के इस्तेमाल, भंडारण, परिवहन, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, खुदरा और खपत से होता है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की भूमिका एक दर्शक से बढ़कर अब मजबूती से अपनी बात कहने, अगुवाई करने और अमल में लाने वाले देश की हो गई है। पेरिस में कॉप-21 में 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को 2005 के स्तर से 33-35 फीसद कम पर लाने का वादा किया। इसने नॉन-फॉसिल फ्यूल पावर सोर्स की क्षमता बढ़ाने और एक कार्बन सिंक बनाने का भी वादा किया। 'पंचामृत' स्ट्रेटजी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में कॉप-26 में पेश किया था, का मकसद 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता, 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी, 2030 तक 50 प्रतिशत रिन्यूबल एनर्जी क्षमता, 2030 तक कार्बन इनटेंसिटी में 45 फीसद की कमी, और 2070 तक नेट-जीरो।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

145 सांसदों का निलंबन, मदर ऑफ़ डेमोक्रेसी या मदर ऑफ हिपोक्रेसी

(लेखक- सनत जैन)

2023 के शीतकालीन सत्र में भारतीय संसद में 145 से अधिक सांसदों को निलंबित एक नया रिकॉर्ड बनाया है। भारत में इसको लेकर रोमांच पैदा हुआ है। वहीं विदेशों में जबरदस्त प्रतिक्रिया भारत को लेकर देखने को मिल रही है। यह भी कहा जाने लगा है, कि मोदी जी जो कहते हैं, वह करते नहीं है। और जो करते हैं, वह कभी कहते नहीं है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पूरे सत्र के लिए इतनी बड़ी संख्या में कभी सांसदों को निलंबित नहीं किया गया। नाही इतनी तल्खी सत्ता पक्ष और विपक्ष में देखी गई। ठंड के मौसम में इस बार दिल्ली में देखने को मिली है। रही-सही कसर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री ने पूरी कर दी है। संसद के बाहर निलंबित सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति की भावभंगिमा का स्वांग को प्रदर्शन किया। गोदी मीडिया ने सारे देश भर में उसे दिखाए। ठीकरा फूटा राहुल गांधी के सिर पर, वह मोबाइल से प्रदर्शन को रिकॉर्ड कर रहे थे। इस पर सत्ता पक्ष राहुल गांधी के ऊपर पिल पड़ा, कि वह वीडियो क्यों बना रहे थे। हालांकि उन्होंने कहीं वीडियो को शेयर नहीं किया। गोदी मीडिया ने इसका कवरेज किया था। इसके बाद मिमिक्री मामले ने तूल पकड़ लिया। उपराष्ट्रपति ने इसे अपना अपमान बताया। उन्होंने यह भी कहा कि यह जाटों का अपमान है। उपराष्ट्रपति पद का भी अपमान है। जब कहानी आगे बढ़ी तो सत्ता पक्ष की भी बहुत सारी बातें निकल निकल कर बाहर आने लगी। इसमें सबसे ज्यादा केंद्र बिंदु बने उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़, सांसद भी एक संवैधानिक पद पर रहकर काम करता है। जिस तरह से सदन के अंदर आसंदी द्वारा सांसदों के साथ व्यवहार किया जाता है। वह जो बोलते हैं, रिकॉर्ड नहीं किया जाता है, बात-बात में निष्कासन के लिए धमकाया जाता है। इसके पहले लोकसभा और राज्यसभा में किस तरह की मिमिक्री हुई है। किसने क्या कहा है, वह क्या किया है, यह सब सामने आ गया। इस सारे एपिसोड में सत्ता पक्ष को एक फायदा हुआ की सत्ता पक्ष ने अपने सारे बिल बिना बहस के मिनटों में पास कर लिए। बिल बहुत महत्वपूर्ण थे। 18 बिल बिना चर्चा के ही दोनों सदनों से पास हो गए। सबसे बड़ा नुकसान सत्ता पक्ष को यह हुआ, उसने विपक्ष को एकजुट कर दिया। इंडिया गठबंधन की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई। संयोजक पद के लिए भी लगभग-लगभग सहमति बन चुकी है। सारा विपक्ष एकजुट होकर 10 रैली देश के सभी बड़े महानगरों में करने जा रहा है। इसकी शुरुआत पटना के गांधी मैदान से शुरू होगी। जहां से जयप्रकाश का आंदोलन शुरू हुआ था। विपक्ष की इस लड़ाई का केंद्र बिंदु अब पटना का गांधी मैदान बनने जा रहा है। सत्ता पक्ष से लड़ने के लिए अब विपक्षी दल भी त्याग करने के लिए तैयार हो गए हैं। प्रधानमंत्री पद को लेकर विपक्षी गठबंधन में चेहरे के रूप में अब कोई झगड़ा नहीं होगा। चुनाव के बाद ही नेता का सर्वसम्मति से चुनाव होगा। साझा कार्यक्रम बनाने पर सहमति हो गई है। इंडिया गठबंधन की बैठक में सोनिया, राहुल गांधी, कैसी वेणुगोपाल, नितीश बाबू, राजीव रंजन, उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, महबूबा मुफ्ती, कृष्णा पटेल, पल्लवी पटेल, ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, अरविंद केजरीवाल, भगवत सिंह मान, एनसीपी के सुप्रीमो शरद पवार, लालू प्रसाद यादव, टीआर बालू, तेजस्वी यादव, सीताराम येचुरी, अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, डी राजा, फारूक अब्दुल्ला, मोहम्मद बशीर, एलन गोकन, एन के प्रेमचंदन, जोस के मणी, सुप्रिया सुले, झामुमो की महुआ माजी बैठक में शामिल हुए। इस बैठक ने सत्ता पक्ष को चिंता में डाल दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भाषा में अब 2024 के लोकसभा चुनाव में खेला होवे की स्थिति पूरी तरह से बन गई है। सत्ता पक्ष को इससे बड़ा झटका लगा है। लग रहा था कि सीटों के बंटवारे और विपक्षी दलों के अस्तित्व को लेकर यह गठबंधन बन नहीं पाएगा। लेकिन आसंदी ने एक तरह से विपक्ष की मदद की। रिकॉर्ड तोड़ 145 सांसदों को सदन के बाहर का रास्ता दिखाया, और उन्हें एकजुट कर दिया। रही-सही कसर ईड़ी और आयकर विभाग पूरी कर रहे हैं। जिसके कारण विपक्षी गठबंधन के सभी दल एक-एक करके ठिकाने लगने के स्थान पर, अब एकजुट होकर मुकाबला करने के लिए खड़े हो गए हैं। सत्ता पक्ष के मुकाबले में अब विपक्ष भी पूरी तरह ताकत से 2024 के लोकसभा चुनाव में उतरने के लिये तैयार दिख रहा है। अब मुकाबला बराबरी का होगा।

जीरो-डे वल्नरेबिलिटी के लिए गूगल ने जारी किया इमरजेंसी पैच

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल ने क्रोम जीरो-डे वल्नरेबिलिटी को संबोधित करने के लिए एक इमरजेंसी पैच जारी किया है, जिसमें उन्होंने माना है कि ऐसा हो रहा है। यह साल की शुरुआत के बाद से जारी किया गया आठवां पैच है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में सुरक्षा सलाह जारी करते हुए लिखा, गूगल को पता है कि सीवीआई-2023-7024 (एक प्रकार का बग) मौजूद है। टेक जांयट ने स्टेबल डेस्कटॉप चैनल में यूजर्स के लिए जीरो-डे की खामी को ठीक कर दिया, गूगल को इसकी सूचना दिए जाने के एक दिन बाद विंडोज यूजर्स (120.0.6099.129/130), मैक और लिनक्स यूजर्स (120.0.6099.129) के लिए पैच किए गए वर्जन ग्लोबल लेवर पर जारी किए गए। बग की खोज और रिपोर्ट गूगल के थ्रेट एनालिसिस ग्रुप (टीएजी) के क्लेमेंट लेसिग्ने और व्लाद स्टोलारोव ने की थी। ब्लीपिंग कंप्यूटर के अनुसार, टीएजी सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स का एक ग्रुप है, जिसका प्राथमिक लक्ष्य गूगल कस्टमर्स को स्टेट-स्पांसर्ड अटैक से बचाना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मोजिला फायरफॉक्स, सफारी और माइक्रोसॉफ्ट एज सहित कई वेब ब्राउजर रीयल-टाइम टाइम कम्युनिकेशंस (आरटीसी) क्षमताओं (जैसे, वीडियो स्ट्रीमिंग, फाइल शेयरिंग और वीओआईपी टेलीफोनी) प्रदान करने के लिए जावा स्क्रिप्ट एपीआई का उपयोग करते हैं। गूगल ने कहा, बग डिटेल्स और लिंक तक एक्सेस तब तक प्रतिबंधित रखा जा सकता है, जब तक कि अधिकांश यूजर्स को समाधान के साथ अपडेट नहीं किया जाता है। इस बीच, गूगल यूजर्स को प्रोडक्ट असिस्टेंस प्रदान करने के लिए अपने कुछ हेल्प पेज पर एक नया एआई सपोर्ट असिस्टेंट चैटबॉट शुरू कर रहा है।

भारतीय स्टार्टअप्स में 35 हजार से ज्यादा नौकरियां गई, 2024 में भी छंटनी रहेगी जारी

नई दिल्ली। पिछले दो साल में भारतीय स्टार्टअप्स में 35,000 से ज्यादा लोगों ने नौकरी से हाथ धोया हैं, और 2024 में भी नौकरियों में कटौती बेरोकटोक जारी रहने की संभावना है। 2022 में बायजू, ओला, अनएकेडमी, ब्लिंकिट और वाइटहैट जूनियर, स्किल-लिंक, गो मैकेनिक, शेयर चैट और जेस्टमनी जैसे प्लेयर्स के नेतृत्व में भारतीय स्टार्टअप्स ने 18,000 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल दिया। इंक42 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में 17,000 से ज्यादा लोग पहले ही अपनी नौकरियां खो चुके हैं और यह लिस्ट बढ़ती ही जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरचैट ने रणनीतिक पुनर्गठन के तहत 200 कर्मचारियों या अपने कार्यबल के लगभग 15 प्रतिशत को नौकरी से निकाल दिया है।गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लोको ने अपने कर्मचारियों की कुल संख्या 110 में से लगभग 36 प्रतिशत या 40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। गूगल समर्थित एडटेक प्लेटफॉर्म अड्डा247 ने विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 250-300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। एनट्रैकर ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा, दिसंबर 2021 में कंपनी द्वारा लगभग 20 मिलियन डॉलर में अधिग्रहित यूपीएससी-केंद्रित एडटेक प्लेटफॉर्म स्टडीआईक्यू से लगभग 100 से 150 कर्मचारियों को निकाल दिया गया था।

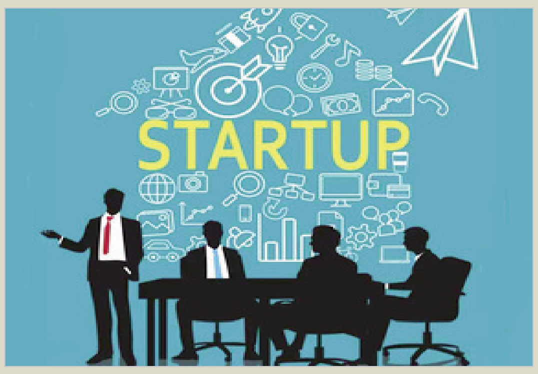

बैंकों को बड़े दिवालिया मामलों की हर महीने समीक्षा का निर्देश

नई दिल्ली.

वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों को हर महीने शीर्ष 20 दिवालिया मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने दिवालिया मामलों की समीक्षा के लिए कहा है क्योंकि दिवालिया अदालतों में मामलों को स्वीकार करने में देरी होती है। जोशी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) के कामकाज की भी समीक्षा करेंगी क्योंकि फँसे कर्ज की वसूली में देरी हो रही है। सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एनएआरसीएल प्रबंधन के साथ बैठक बुलाई थी। एनएआरसीएल की स्थापना वाणिज्यिक बैंकों की तनावग्रस्त संपत्तियों को संभालने और उनका निपटान करने के लिए की गई थी ताकि उनके बही-खाते साफ हो जाएं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिक धन उपलब्ध हो सके। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पिछले सप्ताह संसद को सूचित किया कि नवंबर 2024 तक एनएआरसीएल ने सितंबर 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा निर्धारित दो लाख करोड़ रुपये के मूल लक्ष्य के मुकाबले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से 11,617 करोड़ रुपये के फँसे हुए ऋण का अधिग्रहण किया है। मंत्रालय ने कहा, एनएआरसीएल द्वारा अधिग्रहित कुछ खाते आईबीसी के तहत हैं और एनसीएलएटी द्वारा समाधान योजना को मंजूरी मिलने के बाद ही वसूली संभव है। इस प्रकार, शेष खातों में एनएआरसीएल ने 30 नवंबर 2023 तक केवल 16.64 करोड़ रुपये की वसूली की है। आईबीसी मामलों में भी देरी होती है, जिन्हें न्यायाधिकरणों में दाखिल होने में ही एक साल से अधिक का समय लग जाता है, जबकि समाधान प्रक्रिया 360 दिन की समयसीमा से कहीं अधिक लंबी हो जाती है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 2019 से 2023 के बीच पांच वर्षों में सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का फंसा कर्ज माफ कर दिया। इन अटकी संपत्तियों में से 6.5 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2023 में 94,000 करोड़ रुपये या मात्र 15 प्रतिशत की वसूली की गई है, जिसमें से आधे से अधिक बरामद राशि आईबीसी मार्ग के माध्यम से आई है।

अगले सप्ताह पांच दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली । आने वाले सप्ताह में क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों की वजह से बैंक पांच दिन बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने छुट्टियों की लिस्ट भी जारी है। इस लिस्ट के अनुसार 25 और 26 दिसंबर को क्रिसमस की वजह से अलग-अलग राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। नागालैंड में 27 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी है। शनिवार 30 दिसंबर को मेघालय में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 31 दिसंबर को रविवार का अवकाश रहेगा। आरबीआई द्वारा घोषित अवकाश अलग-अलग राज्यों में पड़ने वाले त्योहारों और होने वाले आयोजनों के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं।

एनएसई और बीएसई ने टाटा मोटर्स के शेयर की डीलिस्टिंग को दी मंजूरी

मुंबई । बीएसई और एनएसई ने टाटा मोटर्स के शेयरों को (डीवीआर या डिफरेंशियल वेटिंग राइट्स) को रद्द करने और ऑर्डिनरी शेयर को अलॉटमेंट करने को मंजूरी दे दी है। एक्सचेंजों ने कंपनी शेयरधारकों और ऋणदाताओं के बीच इसके लिए व्यवस्था की योजना को भी मंजूरी दे दी। डीवीआर शेयर पर शेयरधारकों को टाटा मोटर्स के 7 शेयर मिलेंगे। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि टाटा मोटर्स डीवीआर को खत्म कर रही है। कंपनी डीवीआर शेयर को ऑर्डिनरी शेयरों में बदलेगी। टाटा मोटर्स डीवीआर गुरुवार को 1 फीसदी बढ़कर 474 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। बता दें कि इसका शेयर एक साल में 100 फीसदी बढ़ा है। डीवीआर शेयर ऐसे शेयर होते हैं जिस पर वोटिंग और डिविडेंड के लिए विशेष अधिकार जुड़े होते हैं। दरअसल आम नियमों के अनुसार किसी कंपनी के हर स्टॉकहोल्डर को समान वोटिंग राइट्स और डिविडेंड राइट्स मिले होते हैं। ऐसे शेयरों को सामान्य या ऑर्डिनरी शेयर कहा जाता है। इस बीच डीवीआर का कॉन्सेप्ट लाया गया। इसमें कंपनियां कुछ ऐसे शेयर जारी करती है जिसमें वोटिंग राइट्स आम शेयरों के मुकाबले कम होता है। इसके बदले में कंपनियां डीवीआर के निवेशकों को आम शेयरधारकों के मुकाबले ज्यादा डिविडेंड ऑफर करती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 242 , निफ्टी 94 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के बाद भी लिवाली हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान शेयर बाजार लाभ के साथ ही ऊपर आये। आज के कारोबार में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी 0.74 फीसदी और 1 फीसदी की बढ़त के साथ ही बेंचमार्क से आगे निकल गए।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 241.86 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 71,106.96 अंक पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स में 70,713.56 और 71,259.55 में कामकाज करता रहा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 94.35 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 21,349.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,232.45 और 21,390.50 के बीच कारोबार हुआ।

गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए क्योंकि आर्थिक आंकड़ों से यह आशा जगी कि फेडरल रिजर्व मौद्रिक नीति में राहत दे सकता है। नैस्डैक 1.3 फीसदी उछला, एसएंडपी 500 1 फीसदी चढ़ा और डॉव जोन्स 0.9 फीसदी बढ़ा। वहीं एशिया के बाजारों ने हल्की बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी लगभग 0.2 प्रतिशत ऊपर थे।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बीच ही घरेलू शेयर बाजार की सपाट स्तर पर शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स स्थिर पर बने रहे। बीएसई सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 70,870 पर और एनएसई निफ्टी 50 24 अंक बढ़कर 21,280 पर कारोबार कर रहा था। एचसीएलटेक, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, सन फार्मा, विप्रो, टेक एम ने सेंसेक्स पर बढ़त हासिल की, जबकि अदानी पोर्ट्स, एलटीआईएम, यूपीएल अतिरिक्त निफ्टी विजेता रहे। दूसरी ओर इंफोसिस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एमएंडएम फ्रंटलाइन में थे। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.6 फीसदी और 1 फीसदी चढ़े।

एलआईसी के शेयर 7 फीसदी की तेजी के साथ 820.05 रुपए पर पहुंचे

मुंबई।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को जोरदार तेजी आई है। एलआईसी के शेयर 7 फीसदी की तेजी के साथ 820.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। एलआईसी के शेयरों का यह 52 हफ्ते का नया उच्च स्तर है। कंपनी के शेयर गुरुवार को 764.55 रुपए पर बंद हुए थे। बीमा कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल सरकार की तरफ से बड़ी रियायत दिए जाने के बाद आया है। एलआईसी का मार्केट कैप 5 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। एलआईसी ने बताया है कि सरकार ने 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नॉर्म्स पूरा करने के लिए वन-टाइम एग्जेम्प्शन दे दिया है। अब बीमा कंपनी लिस्टिंग की तारीख से 10 साल के भीतर मिनीमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग को पूरा कर सकती है। बाजार नियामक सेबी के नॉर्म्स के मुताबिक किसी भी कंपनी को लिस्टिंग के 3 साल के भीतर या विलय या एक्विजिशन के एक साल के भीतर 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नॉर्म्स को पूरा करना होता है। सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी के आईपीओ का प्राइस बैंड 902 से 949 रुपए था। आईपीओ में कंपनी के शेयर 949 रुपए पर अलॉट हुए थे। कंपनी के शेयर 17 मई 2022 को 867.20 रुपए पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुए थे। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 872 रुपए पर लिस्ट हुए थे। बीमा कंपनी एलआईसी के शेयर अब भी अपने इश्यू प्राइस से डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 2 महीने में एलआईसी के शेयरों में करीब 35 फीसदी का उछाल आया है। बीमा कंपनी के शेयर 26 अक्टूबर 2023 को 604.95 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 22 दिसंबर 2023 को 820.05 रुपए पर पहुंच गए हैं। एलआईसी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 530.20 रुपए है।

एयरटेल, इंटेलिस्मार्ट ने दो करोड़ स्मार्ट मीटर आईओटी से जोड़ने समझौता किया

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने दो करोड़ स्मार्ट मीटर को इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) से जोड़ने के लिए इंटेलिस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ साझेदारी की है। इस परियोजना का क्रियान्वयन अगले 10 साल में पूरा होने का अनुमान है। एयरटेल ने कहा कि यह क्लाउड और एनालिटिक्स के साथ-साथ हेड एंड सिस्टम जैसे स्मार्ट मीटरिंग अनुप्रयोगों में एयरटेल के प्रवेश का प्रतीक है। यह देश में स्मार्ट मीटरिंग क्षेत्र में सबसे बड़े सौदों में से एक है और यह सभी क्षेत्रों में एयरटेल की तेजी से बढ़ती आईओटी तैनाती में महत्वपूर्ण योगदान देगा। एयरटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आईओटी एयरटेल कारोबार के लिए सबसे तेजी से बढ़ता कारोबारी खंड है। अब हम रणनीतिक रूप से सरकार के 25 करोड़ परंपरागत मीटर को डिजिटल करने के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन का परिव्यय 109 लाख करोड़ पहुंचा

- एनआईपी में आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे की नई एवं पुरानी परियोजनाएं शामिल हैं

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) की शुरुआत 6,835 परियोजनाओं से हुई थी और वर्ष 2020-25 के बीच इसकी बढ़ोतरी होकर 108.88 लाख करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ 9,288 परियोजनाओं तक पहुंच चुकी है।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि एनआईपी में आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे दोनों में 100 करोड़ रुपये से अधिक की नई एवं पुरानी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं। एनआईपी के तहत देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अलावा बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े 22 मंत्रालयों की तरफ से लागू की जा रही परियोजनाएं शामिल हैं। एनआईपी देशभर में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने और सभी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर करने वाली पहल है। एनआईपी से परियोजनाओं की बेहतर तैयारी होगी और बुनियादी ढांचे में घरेलू और विदेशी दोनों निवेश को आकर्षित किया जा सकेगा।

वित्त वर्ष 2024-25 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य पाने के लिए भी इसे अहम माना जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (एमएसएससी) महिलाओं को वित्तीय लाभ देने के साथ उन्हें अपने पैसों का हिसाब रखने और सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। किसी भी आयु वर्ग की महिलाएं न्यूनतम 1,000 रुपये और अधिकतम दो लाख रुपये जमा के साथ दो साल के लिए एमएसएससी खाता खोल सकती हैं। इस पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत प्रति वर्ष है जिसकी गणना तिमाही आधार पर की जाती है। सरकार ने डाक विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों और निजी क्षेत्र के चार बैंकों को एमएसएससी संचालित करने के लिए अधिकृत किया है। हालांकि, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और आईडीबीआई बैंक जैसे कुछ ऋणदाताओं ने अभी तक यह योजना शुरू नहीं की है। महिला सम्मान बचत पत्र योजना को मार्च, 2025 तक दो वर्ष के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसका खाता खोलने के लिए 31 मार्च, 2025 तक आवेदन जमा किया जा सकता है।

जोमैटो कर सकता है शिपरॉकेट का अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड प्लेटफॉर्म जोमैटो ने घरेलू लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता शिपरॉकेट को लगभग 16,600 करोड़ रुपये से अधिक में अधिग्रहण करने की पेशकश की है लेकिन सौदे पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। पिछले साल अगस्त में जोमैटो समर्थित शिपरॉकेट, जिसे इंफो एज, टेमासेक और लाइटरॉक का भी समर्थन प्राप्त था, ने 3.35 करोड़ डॉलर जुटाए, जिससे इसका मूल्यांकन लगभग 1.2 अरब डॉलर हो गया। जोमैटो ने उसी महीने, क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट और उसके वेयरहाउसिंग और सहायक सेवा व्यवसाय का अधिग्रहण पूरा कियाा जोमैटो के बोर्ड ने ब्लिंकिट के अधिग्रहण के लिए 4,447 करोड़ रुपये के लेनदेन को मंजूरी दे दी। सहायक कारोबार 61 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इस बीच शिपरॉकेट कथित तौर पर यूएस-आधारित निवेश फर्म ट्राइब कैपिटल के नेतृत्व में 75-100 मिलियन तक फंड जुटाने के लिए शीर्ष वीसी फर्मों के साथ बातचीत कर रही है। सूत्रों के मुताबिक पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट के मुताबिक फंडिंग को लेकर बातचीत जारी है और शर्तें बदल सकती हैं। ट्राइब कैपिटल और शिपरोकेट दोनों ने रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की। बेंगलुरु मुख्यालय वाले शिपरोकेट का लक्ष्य अगले 12 से 18 महीनों में आईपीओ के लिए तैयार होना है। इसका लक्ष्य अगले 12 महीनों में एसएमबी को लगभग 100 करोड़ रुपये वितरित करना है। 2017 में लॉन्च किया गया, शिपरॉकेट खुदरा विक्रेताओं को शॉपिफाई, मैगेंटो, वूकॉमर्स, ज़ोहो और अन्य पर अपनी शॉपिंग वेबसाइटों को एकीकृत करने में मदद करने के लिए एक प्रौद्योगिकी स्टैक प्रदान करता है। शिपरॉकेट देश भर में स्थित 45 से अधिक गोदामों के साथ अत्याधुनिक पूर्ति समाधान भी प्रदान करता है।

आरबीआई की तरफ से एआईएफ में प्रतिबंध के बाद पीरामल ने किया प्रावधान

- पीरामल एआईएफ में 3,164 करोड़ के निवेश को कैपिटल फंड में समायोजित करेगा

मुंबई ।

पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड और आईआईएफएल फाइनेंस ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्टरनेट इन्वेस्टमेंट फंडों (एआईएफ) में लेनदारों के निवेश पर नियम लाए जाने के बाद उन्होंने प्रावधान करना शुरू कर दिया है। पीरामल एंटरप्राइजेज ने अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंडों (एआईएफ) में 3,164 करोड़ रुपये के निवेश को कैपिटल फंड या प्रावधानों के जरिये अपने बहीखाते में समायोजित करने का निर्णय लिया है। पीरामल के पास एनबीएफसी लाइसेंस है और वह पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनेंस की मूल कंपनी भी है। कंपनी ने हाल ही में एक्सचेंजों को भेजी सूचना में कहा था कि बाकी 3,164 करोड़ रुपये में से 1,737 करोड़ रुपये का डाउनस्ट्रीम निवेश एआईएफ ने तीन इकाइयों में किया है, जो पीरामल की देनदार कंपनियां हैं। आईआईएफएल फाइनेंस ने खुलासा किया है कि उसकी सहायक आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड ने प्राथमिकता वाले वितरण मॉडल के तहत 161 करोड़ रुपये का निवेश किया है और अगर इसे नहीं बेचा जा सका तो उसकी पूंजी से 100 फीसदी इसे घटाने की दरकार होगी। आईआईएफएल फाइनेंस ने निवेशकों को सूचित किया कि एआईएफ में उसके 909.81 करोड़ रुपये के निवेश में कोई डाउनस्ट्रीम निवेश शामिल नहीं है, जिसके ऊपर उसका कर्ज या निवेश हो। फर्म का डाउनस्ट्रीम फर्मों पर 3.28 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज है जबकि आईआईएफएल फिनटेक फंड में कुल 21.37 करोड़ रुपये निवेश है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि एडलवाइस का कुल निवेश एआईएफ में 11.4 फीसदी होगा और कुल कर्ज की हिस्सेदारी के तौर पर एआईएफ में निवेश करीब 4.4 फीसदी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों का इन निवेश में बहुत ज्यादा योगदान नहीं है। इस बारे में जानकारी के लिए इंडियाबुल्स, एडलवाइस फाइनैंशियल, सुंदरम अल्टरनेट्स और नाबार्ड को भेजी गई प्रश्नावली का जवाब नहीं मिला।

टाटा नेक्सॉन सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल

-कार का माइलेज भी है काफी शानदार

नई दिल्ली ।

टाटा कंपनी की टाटा नेक्सॉन का फेसलिफ्ट मॉडल एक बार फिर देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों शामिल हो गया है। कार का माइलेज भी काफी शानदार है। कार के हैडलैंप्स अब आपको नए देखने को मिलेंगे। इसी के साथ फ्रंट बंपर और बोनट भी बिल्कुल नए और स्पोर्टी डिजाइन में दिया गया है। इसी के साथ कार के टेल लैंप्स और रियर बंपर का डिजाइन भी नया है।

वहीं कार में आपको नए मैटालिक कलर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं। इंटीरियर की बात की जाए तो कार को और भी प्रीमियम लुक दे दिया गया है। नेक्सॉन की अपहॉल्स्ट्री को बदल दिया गया है और लैदराइट सीट्स का ऑप्शन भी आपको मिलता है। वहीं बोनट के डिजाइन में भी बदलाव किया गया है। सीट्स को और ज्यादा कंफर्टेबल बनाने के लिए कुशनिंग बढ़ा दी गई है।कार के फीचर्स की बात की जाए तो सबसे पहले सेफ्टी जो नेक्सॉन की पहचान भी है। कार में अब आपको स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर 6 एयरबैग की सुरक्षा मिलती है। इसी के 360 डिग्री कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर, एबीएस, ईबीडी, चाइल्ड लॉक, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट्स सहित ढेरों फीचर्स मिलेंगे। वहीं कार में अब 10.25 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, रियर एसी वेंट्स, वायरलैस चार्जिंग सहित कई प्रीमियम फीचर्स भी देखने को मिलेंगे।

इसके माइलेज की बात की जाए तो ये 22 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देती है। वहीं डीजल इंजन की बात की जाए तो ये 1.5 लीटर है और ये 118 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। कार का माइलेज 28 किलोमीटर प्रति लीटर तक आता है।कार के इंजन में कंपनी ने कोई भी बदलाव नहीं किया है। कार में पेट्रोल और डीजल इंजन कंपनी ऑफर कर रही है। पेट्रोल इंजन के तौर पर कार में 1.2 लीटर का रेवट्रॉन इंजन ऑफर करती है। ये इंजन 113 बीएचपी की पावर जनरेट करता है।

दीप्ति और पूजा की शतकीय साझेदारी, भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर शिकंजा कसा

मुंबई (एजेंसी)। दीप्ति शर्मा (नाबाद 70) और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 33) के बीच 102 रन की अटूट साझेदारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां 157 रन की बढ़त हासिल करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 376 रन बनाए थे।

भारत की चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए जिनमें दीप्ति के अलावा स्मृति मंधाना (74), जेमिमा रोड्रिग्स (73) और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रही रिचा घोष (52) शामिल हैं। दीप्ति और वस्त्राकर ने तब जिम्मेदारी संभाली जब भारत ने 14 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए थे। ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंदबाजों का उपयोग किया लेकिन केवल ऑफ स्पिनर एश्ले गार्डनर (100 रन देकर चार विकेट) ही अपना प्रभाव छोड़ पाईं।

महिला एशेज टेस्ट में आठ विकेट लेने वाली गार्डनर ने भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया तथा अच्छी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके महत्वपूर्ण विकेट लिए। भारत का स्कोर एक समय सात विकेट पर 274 रन था लेकिन दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए शानदार साझेदारी से वह मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सफल रहा। दीप्ति और वस्त्राकर भारत की तरफ से आठवें विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी का रिकॉर्ड बनाने से केवल पांच रन दूर हैं।

दीप्ति ने अभी तक 147 गेंद का सामना करके नौ चौके लगाए हैं जबकि पहले दिन 53 रन देकर चार विकेट लेने वाली वस्त्राकर ने 115 गेंद का सामना करके चार चौके लगाए हैं। भारत की पारी का आकर्षण हालांकि युवा रिचा घोष और जेमिमा के बीच चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी रही। यह भारत की तरफ से चौथे विकेट के लिए दूसरी सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बल्लेबाजी कर रही घोष ने आक्रमण और संयम का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने अपनी पारी में 104 गेंद का सामना करके सात चौके लगाए।

घोष को 14 रन के निजी योग पर जीवनदान भी मिला जब एलिस पेरी ने गार्डनर की गेंद पर मिड ऑफ पर उनका आसान कैच छोड़ दिया था। घोष इसका फायदा उठाकर अपने पदार्पण मैच में अर्धशतक जड़ने वाली भारत की 14वीं बल्लेबाज बनी। जेमिमा और शुभा सतीश ने हाल में यह उपलब्धि हासिल की थी। जेमिमा ने स्वीप शॉट लगाने के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। उन्होंने अपने अधिकतर रन (63 प्रतिशत) लेग साइड में बटोरे।

जेमिमा की 121 गेंद की पारी में नौ चौके शामिल हैं। लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक बनाने वाली जेमिमा अपने पहले टेस्ट शतक की तरफ बढ़ रही थी लेकिन तभी उन्होंने गार्डनर की गेंद पर एनाबेल सदरलैंड को एक्स्ट्रा कवर कर आसान कैच दे दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अपना खाता भी नहीं खोल पाई और केवल दो गेंद खेल कर पवेलियन लौट गई। गार्डनर ने उन्हें पगबाधा आउट किया।

गार्डनर ने इसके तुरंत बाद यास्तिका भाटिया (01) को भी आउट किया। इससे पहले भारत ने सुबह एक विकेट पर 98 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। मंधाना और स्नेह राणा (09) ने अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। गार्डनर ने राणा को बोल्ड करके यह साझेदारी तोड़ी। मंधाना रन आउट होकर पवेलियन लौटी। भारतीय उप कप्तान ने 106 गेंद का सामना किया तथा 12 चौके लगाए।

साक्षी मलिक के संन्यास के बाद बजरंग पूनिया भी एक्शन में, 'पद्मश्री' लौटाने का ऐलान किया

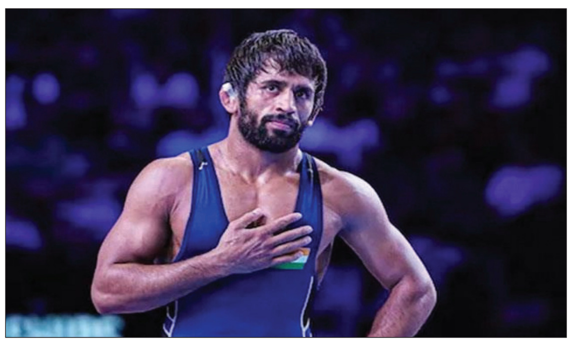

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नए अध्यक्ष बने संजय सिंह के विरोध में जहां कल वीरवार को पहलवान साक्षी मलिक कुश्ती से सन्यास ले लिया। वहीं आज भारतीय पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने पीएम मोदी के नाम एक पत्र लिखकर अपनी मांग न सुनी जाने के कारण पद्मश्री लौटाने की बात भी कही है।

बजरंग ने लिखा, मैं अपना पद्मश्री पुरस्कार प्रधानमंत्री जी को वापस लौटा रहा हूं। कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है। यही मेरी स्टेटमेंट है। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ में बृजभूषण शरण सिंह की चल रही मनमानी और तानाशाही को लेकर विरोध कर रहे थे। बृजभूषण पर महिला पहलवानों का यौन शोषण करने का भी आरोप है जिसे लेकर महिला पहलवानों ने दिल्ली की सड़कों पर कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह बीजेपी सांसद हैं और लंबे अरसे से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे हैं।

वहीं अब उन्हें हाल ही में अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था और जो नए अध्यक्ष बनाए गए हैं, वह भी बृजभूषण खेमे के ही हैं। जिस पर पहलवानों ने ऐतराज जताया। हाल ही में संपन्न भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों में पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण के गुट के एक प्रमुख व्यक्ति और वर्तमान में यूपी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह ने अनीता श्योराण के महज सात वोटों के मुकाबले 40 वोटों से भारी जीत हासिल की। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई), देश में कुश्ती की शासी निकाय, नई दिल्ली में स्थित है।

दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय सीरीज जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं राहुल

बोलैंड पार्क (एजेंसी)। केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को 78 रनों से हराकर 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इसी के साथ ही राहुल ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे में मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया है। राहुल दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय सीरीज जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में यहां 5-1 से जीत दर्ज की थी। इस प्रकार अब राहुल भी विराट की बराबरी पर आ गये हैं। राहुल की कप्तान में पिछले साल भी भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका गयी थी पर तब उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब एक साल बाद राहुल ने उसका बदला ले लिया है।

राहुल दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गयी भारतीय टीम के सातवें कप्तान हैं। यहां किसी भी प्रारुप में सीरीज जीतना आसान नहीं होता है। दोनों ही टीमों के बीच 21 साल के एकदिवसय इतिहास में यह दूसरा अवसर है जब भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीती है। भारतीय टीम पहली बार मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में यहां गई थी पर उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने मेजबान टीम से एकदिवसीय सीरीज खेली थी पर उसे हर बार ही हार का सामना करना पड़ा था।

विलियमसन और जैमीसन बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेलेंगे

-रचिन रवींद्र और डफी शामिल

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और गेंदबाज काइल जैमीसन इस महीने के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन और जैमीसन ने फिट नहीं होने के कारण अपना नाम वापस ले लिया है। ऐस में इन दोनों की जगह युवा खिलाड़ी रचिन रवींद्र और जैकब डफी को शामिल किया गया है। वहीं मिशेल सेंटनर इस सीरीज में कप्तानी करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा, इस जोड़ी को वापस लेने का फैसला आगे की चिकित्सा सलाह और आगामी कार्यक्रम पर विचार करने के बाद लिया गया है।

विलियमसन घुटने के पुनर्वास और मजबूती की अवधि से गुजरेंगे। इसके साथ ही टीम ने नए साल में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम को देखते हुए जैमीसन को जोखिम में नहीं डालने का फैसला किया है। इसलिए वह बांग्लादेश के खिलाफ आगामी सीरीज और पाकिस्तान के खिलाफ जनवरी में होने वाली टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। वहीं कोच गैरी स्टीड ने कहा कि वापसी ताजा चिकित्सा सलाह के आधार पर की गई है। हम चाहते हैं कि विलियमसन और जैमीसन दोनों दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के पहले पूरी तरह से फिट हो जायें। उन्होंने कहा, मेडिकल स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ चर्चा के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि पुनर्वास और कंडीशनिंग की अवधि उन दोनों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

स्टीड ने कहा कि रवींद्र और डफी ने बांग्लादेश के लिए टीम मिश्रण में मजबूत योगदान प्रदान किया। न्यूजीलैंड टी20 टीम इस प्रकार है- मिशेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी और टिम साउथी।

विराट पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटे

सेंचुरियन। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गये अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से स्वदेश लौट गये हैं हालांकि उनके 26 दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की पूरी संभावनाएं हैं। भारतीय टीम को इस दौरे में दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई से मिली जानकारी के अनुसार, 'विराट पारिवारिक कारणों से भारत लौट गए हैं लेकिन पहले टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। वहीं युवा बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ भी ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गये हैं। रूतुराज को ये चोट दूसरे एकदिवसीय में एक कैच पकड़ने के दौरान लगी थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने आयरलैंड को 2-1 से हराया

वालेंसिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दीपिका और संगीता कुमारी के गोल से आयरलैंड को 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने 5 देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 के लिए जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। भारत की ओर से दीपिका ने खेल शुरु होने के कुछ समय के अंदर ही गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। दीपिका ने चौथे और संगीता कुमारी ने 22 वें मिनट में ये गोल किये। वहीं आयरलैंड की ओर से कप्तान कैथरीन मुलान ने 12 वें मिनट में एकमात्र गोल किया। आयरलैंड ने शुरुआत में ही गोल खाने के बाद भी दबाव में आये बिना मुलान के गोल से मुकाबले में बराबरी हासिल की। वहीं दूसरे क्वार्टर में आयरलैंड को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। वहीं भारतीयटीम को अपना पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसपर संगीता कुमारी ने गोल दागकर टीम को एक बार फिर बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर दोनो ही उसे गोल में बदल नहीं पायीं।, इसके बाद आयरलैंड ने अंतिम क्वार्टर में बराबरी का प्रयास किया पर वह भारतीय रक्षापंक्त को नहीं भेद पायी।

संन्यास के बाद रोहित और विराट की जर्सी भी रिटायर करेगा बीसीसीसीआई : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इन दोनो की जर्सी 45 और 18 को रिटायर कर सकता है। गावस्कर ने रोहित और विराट की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों का भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने में अहम योगदान रहा है। ऐसे में भविष्य में इन दोनो की जर्सी नंबर को रिटायर किया जा सकता है। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच तीसरे एकदिवसीय के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट और रोहित के प्रभाव पर ये बात कही। उन्हें भरोसा है कि बीसीसीआई इन दोनो के खेल को अलविदा कहने के बाद उनके जर्सी नंबर पर अपना फैसला लेगा। गावस्कर ने कहा कि मैं नंबर 45 और नंबर 18 जर्सी को नंबर 7 और नंबर 10 जर्सी की तरह रिटायर होते हुए देख सकता हूं। बीसीसीआई ने हाल ही में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की नंबर 7 जर्सी को रिटायर कर दिया था। बीसीसीआई ने युवा खिलाड़ियों को सूचित किया कि अब नंबर 7 की जर्सी उपलब्ध नहीं होगी। इससे पहले बीसीसीआई ने सचिन तेंदुलकर की 10 नंबर की जर्सी को भी उनके सम्मान में रिटायर कर दिया था।

केकेआर नहीं खरीद पायी मध्यक्रम के लिए स्टार बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 24 के लिए हुई नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदकर अपनी गेंदबाजी तो मजबूत कर ली है पर उसे ये फैसला भारी भी पड़ सकता है। इसका कारण ये है कि स्टार्क पर मोटी रकम लगाने से फ्रैंचाईजी के पास पैसे नहीं बचे और वह किसी बेहतर बल्लेबाज को नहीं खरीद पायी है। इससे उसका बल्लेबाज संतुलन खराब होता दिख रहा है। उसे मध्य क्रम में एक ऐसे बल्लेबाज की जरुरत थी, जो श्रेयस अय्यर और रिंकू सिंह का भार कम कर सके पर अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। नीलामी के बाद ये नजर आ रहा है कि केकेआर इस कमी को दूर नहीं कर पाया है और इसका नुकसान उसे बल्लेबाजी में उठाना पड़ेगा। वह केवल एक बल्लेबाज मनीष पांडे को खरीद पायी।

मनीष एक अच्छे बल्लेबाज हैं पर आजकल उनका बल्ला नहीं चल रहा। मनीष टीम की पहली पसंद नहीं थे पर पैसे की मजबूरी के कारण उन्हें खरीदना पड़ा। ऐसे में श्रेयस अय्यर, नीतीश राणा और रिंकू सिंह को साथ ही लिए मनीष के अलावा कोई अन्य मैच विजेता खिलाड़ी नहीं मिला है। केकेआर ने इस बार नीलामी में स्टार्क सहित 10 खिलाड़ी खरीदे। इनमें 4 भारतीय और 6 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में मिचेल स्टार्क के अलावा मुजीब उर रहमान, शेन रदरफोर्ड और गट एटकिंसन के अलावा पांच भारतीय क्रिकेटर मनीष पांडे, केएस भरत, चेतन सकारिया, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह और साकिब हसन को भी उसने खरीदा है।

नीलामी से पहले साफ था कि केकेआर को ऐसे तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों की सख्त जरूरत है, जो अपने बल पर मैच जिता सकें। मिचेल स्टार्क, गस एटकिंसन और चेतन सकारिया को खरीदकर केकेआर ने तेज गेंदबाजों की कमी काफी हद तक कम कर ली है पर बल्लेबाजी में टीम की कमी सामने आ रही है। अंतिम ग्यारह में अधिक से अधिक 4 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। केकेआर की अंतिम में पहली पसंद 4 विदेशी खिलाड़ी मिचेल स्टार्क, सुनील नरेन, ऑलराउंडर आंद्र रसेल और जेसन रॉय होंगे। ऐसे में केकेआर की बल्लेबाज के मध्यक्रम में केवल एक ही खिलाड़ी मनीष जुड़े हैं। हाल में जिस प्रकार से मनीष का फार्म रहा है उससे नहीं लगता है वह टीम की अधिक सहायता कर पायेंगे।

गुकेश नें टाईब्रेक में जीता चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज ,अर्जुन बने उपविजेता

चेन्नई। गुरुवार को यहाँ भारत के शतरंज इतिहास के अब तक के सबसे बड़े क्लासिकल सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट और फीडे सर्किट के अंतिम क्लासिकल पड़ाव चेन्नई ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब भारत के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें अपने नाम कर लिया। गुकेश नें अंतिम राउंड में हमवतन पेंटाला हरिकृष्णा से बाजी ड्रॉ खेलते हुए 4.5 अंक बनाकर खिताब हासिल किया, हालांकि अंतिम राउंड में भारत के ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें भी शानदार खेल दिखाते हुए हंगरी के सनन सुज्गिरोव को पराजित करते हुए 4.5 अंक बनाए पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर गुकेश नें खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं हरिकृष्णा प्रतियोगिता में 4 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। अन्य खिलाड़ियों में उक्रेन के पावेल एलजनोव चौंथे, यूएसए के लेवान अरोनियन पांचवें, ईरान के परहम मघसूदलू छठे, हंगरी के सनन सातवे और सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके अंतिम आठवे स्थान पर रहे। इस जीत के बाद गुकेश फीडे सर्किट तालिका में 87.3 अंको के साथ नीदरलैंड के अनीश गिरि (84.3) को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर से शीर्ष पर पहुँच गए है और अब अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने की उनकी संभावना बढ गई है। अर्जुन एरिगासी 81.2 अंको के साथ अभी भी इस दौड़ में शामिल है अब अगर फीडे सर्किट के आखिरी पड़ाव विश्व उजबेकिस्तान के समरकंद में होने वाली विश्व रैपिड चैम्पियनशिप में अनीश या अर्जुन रैपिड या ब्लिट्ज में विजेता बनते है तो वह गुकेश को पीछे छोड़ सकते है।

सनराइजर्स हैदराबाद को है विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक भरोसा

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद को लगता है विदेशी खिलाड़ियों पर ज्यादा ही भरोसा है। इसी कारण आईपीएल के 2024 सत्र के लिए उसने कई विदेशी खिलाड़ियों को खरीदा है। फ्रैंचाइजी ने नीलामी में कुछ बड़े नमों पर दाव लगाया और पैट कमिंट, ट्रैविस हेड, एडेन मार्करम और वानिंदु हसरंगा जैसे मैच विजेता खिलाड़ियों को खरीदकर संकेत दिया है कि वह खिताब जीतने के लिए पूरी ताकत लगाना चाहती है। हैदराबाद को एक बार खिताब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने दिलाया था पर अब वह टीम के साथ नहीं हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन की कप्तानी में भी हैदराबाद का प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा रहा है। माना जा रहा है कि इसी कारण टीम को विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक भरोसा है।

कमिंस के चयन से स्पष्ट है कि टीम उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी देगी। कमिंस अपने कप्तानी कौशल के कारण जाने जाते हैं। इसी कारण उनके लिए आरसीबी ने भी बड़ी बोली लगाती नजर आई थी। कमिंस के आने से हैदराबाद की गेंदबाजी भी बेहतर होगी। इस काम में उन्हें मार्को जानसन से भी सहायता मिलेगी।

वहीं हेड को सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है। हेड ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल और क्रिकेट विश्व कप फाइनल में शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कभी भी मैच बदलने में सक्षम हैं। जहां तक मार्करम की बात है उन्हें नंबर के लिए पहली पसंद माना जा रहा है। मार्करम के रहने से टीम का मध्यक्रम मजबूत होगा। इसके अलावा हेनरिक क्लासेन भी मध्य क्रम में रहेंगे। वह बीच के ओवरों में बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। क्लासेन का भारतीय पिचों पर रिकॉर्ड अच्छा रहा है। ऐसे में उनके रहने से टीम का मध्यक्रम मजबूत होगा।

इसके अलसवा ऑलराऊंडर ग्लेन फिलिप्स के आने से टीम को एक बेहतर फील्डर भी मिलेगा। इसके अलावा टीम को तेज गेंदबाज मार्को जानसन के आने से लाभ होगा। वह पिछले आईपीएल में शुरूआती मैचों में ही विकेट लेने में सफल रहे थे।

डब्ल्यूएफआई चुनावों के बाद राहत, रूकी हुई राष्ट्रीय प्रतियोगितायें शुरू होंगी

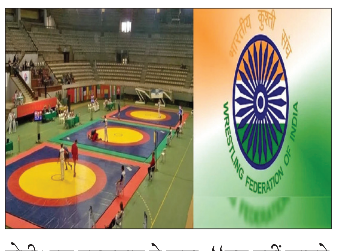

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुश्ती जगत ने अब राहत की सांस ली है कि राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगितायें आखिरकार नये महासंघ के गठन के बाद शुरू हो जायेंगी और यह मायने नहीं रखता कि बृज भूषण शरण सिंह फैसले लेना जारी रखेंगे।

विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष पहलवान चाहते थे कि कोई महिला अध्यक्ष भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद पर काबिज हो लेकिन बृजभूषण के विश्वस्त संजय सिंह गुरुवार को हुए चुनाव में विजेता रहे। बृजभूषण को अलग रहने के लिए कहा गया था और महासंघ के रोजमर्रा के काम संभालने के लिए एक तदर्थ समिति गठित की गयी थी जिससे 2023 में राष्ट्रीय शिविर और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित नहीं हो पायी।

इससे कई पहलवान प्रभावित हुए क्योंकि नौकरी के आवेदन के लिये राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में जीते गये पदक और भाग लेने का प्रमाण पत्र जरूरी होता है। सैकड़ो पहलवानों पर इसका असर पड़ा क्योंकि इनमें से कईयों ने जूनियर वर्ग में पिछले साल पदक जीते थे। रोहतक में मशहूर छोटू राम स्टेडियम के एक कोच जगदीश ढांडा ने कहा, ''कौन जीता है, यह कैसे मायने रखता है? चुनाव उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद किये गये थे। कोई जबरदस्ती नहीं हुई। सरकार भी इस मामले को देख रही थी।''

उन्होंने कहा, ''पिछले 11 महीनों में कुश्ती खेल लगभग रूक सा ही गया था। अच्छा है कि नयी संस्था के गठन के तुरंत बाद ही गतिविधियां शुरू हो गयी हैं। अब राष्ट्रीय शिविर कराये जायेंगे और प्रतियोगितायें आयोजित होंगी। आप पिछले 11 महीने के नुकसान का अंदाजा नहीं लगा पाओगे।'' यह पूछने पर कि बृजभूषण के नये प्रमुख के जरिये महासंघ पर नियंत्रण बनाये रखने से उनके स्टेडियम में पहलवानों की कैसी प्रतिक्रिया थी तो ढांडा ने कहा, ''पहलवान तटस्थ हैं।''

ढांडा ने कहा, ''वास्तव में कोई भी इसकी चर्चा नहीं कर रहा। यह साफ था कि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट बस खुद के लिये काम कर रहे थे। वे खुद को ट्रायल से बचाना चाहते थे। शुरू में किसी को समझ नहीं आया लेकिन बाद में जब उन्होंने एशियाई खेलों के ट्रायल्स में हिस्सा नहीं लिया और पंचायत को कही गयी अपनी बात का सम्मान नहीं किया तो लोगों ने उन पर भरोसा करना बंद कर दिया।''

बजरंग और विनेश को तदर्थ पैनल ने एशियाड ट्रायल्स से छूट दी थी और उनके संबंधित वर्गो में पहलवानों ने उन्हें अदालत में भी खींचा। बजरंग हांगझोउ एशियाड से खाली हाथ लौटे और विनेश को चोट लग गयी जिससे वह इनमें हिस्सा नहीं ले सकीं। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के कोचों की भी यही प्रतिक्रिया थी। एक कोच ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, ''डब्ल्यूएफआई को चलाने के लिए एक मजबूत नेतृत्व चाहिए। आपने देखा कि तदर्थ पैनल को फैसले लेने में कितनी परेशानी हुई। वे बार बार फैसले बदलते रहे, इसलिये अच्छा है कि वही पैनल वापस आ गया। आपको अनुभव चाहिए होता है और उन्होंने पिछले 10-12 साल में काफी अच्छा काम किया है।''

उन्होंने कहा, ''शुक्र है कि अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता करायी जायेगी। सभी पहलवानों को प्रतियोगिता चाहिए। हम किसी के पक्ष से नहीं है। हम बस अपने खेल की बेहतरी चाहते हैं।'' कोच ने यह भी कहा कि विरोध करने वाले पहलवानों को बातचीत से मुद्दे का हल निकालने की कोशिश करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, ''मतभेद हो ही सकते हैं, जिन्हें बातचीत करके सुलझाया जा सकता है। सड़क पर बैठना अच्छा विकल्प नहीं है। इससे खेल भी बदनाम हुआ।'' कोच ने कहा, ''माता पिता भी चिंतित थे कि उनके बच्चों का पूरा साल खराब हो गया। यह खेल काफी निर्दयी है जिसमें एक साल बहुत लंबा होता है।''

आमतौर पर मई के अंत तक सभी आयु वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगितायें खत्म हो जाती हैं। इन चैम्पियनशिप में कम से कम 120 पदक दाव पर होते हैं। इस साल केवल अंडर-23 चैम्पियनशिप ही आयोजित हुई। हरियाणा की एक महिला पहलवान ने कहा कि महासंघ के अधिकारियों से संपर्क करने में कुछ झिझक होगी। इस पहलवान ने कहा, ''हम नहीं जानते कि सच क्या है। यौन उत्पीड़न हुआ या नहीं, हम नहीं जानते। लेकिन विश्वास रखिये कि कुछ झिझक तो होगी ही। कम से कम शुरू में, अगर पहलवानों को महासंघ से कुछ पूछने की जरूरत होगी तो हम नहीं जानते कि हमें महासंघ के अधिकारियों का विरोध करने वालों के तौर पर देखा जायेगा।'' नवनिर्वाचित इकाई ने तदर्थ समिति के सभी फैसलों को रद्द कर दिया है। अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिता की घोषणा कर दी गयी है जो दिसंबर के अंतिम हफ्ते में गोंडा में होगी। आम सालाना बैठक 11 या 12 जनवरी को दिल्ली में होगी।

स्टोक्स-आर्चर फिट हुए तो टी20 विश्व कप खेलेंगे : कोच

तारोबा। ऑललराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का 2024 टी20 विश्व कप में खेलना तय नजर आता है। टी20 प्रारुप के लिए इंग्लैंड की टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टोक्स और आर्चर मैच विजेता खिलाड़ी हैं और इनके रहने से अंतर पैदा होगा। इसलिए फिट होने पर इन दोनो को ही टीम में जगह मिलेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उम्मीद जतायी जा रही है कि वह जून में होने वाले टी20 विश्व कप तक फिट हो जाएंगे। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से ही खेल से दूर हैं। मोट ने इन दोनो की उपलब्धता को लेकर कहा, ' स्टोक्स प्रत्येक विभाग में मैच जिताने की काबिलियत मुहैया कराने के अलावा हमें शीर्ष छह में एक तेज गेंदबाज रखने का विकल्प देते हैं जिससे आपको टीम का संतुलन बनाने के लिए कई विकल्प मिल जाते हैं, इससे चयन भी आसान बन जाता है। इसलिये उन्हें शामिल करना जरुरी है। उन्होंने कहा, 'जहां तक आर्चर की बात है तो वह अपनी तेज रफ्तार से पारी में कोई भी ओवर डाल सकता है। वह सुपर ओवर डाल सकता है, इसके अलावा जरूरत के अनुसार अंतिम ओवर भी फेंक सकता है। गौरतब है कि आर्चर लगातार चोटों के कारण साल 2021 के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने 2023 में सफेद गेंद के महज सात मैच खेले हैं। उन्हें अगले साल जनवरी-मार्च में भारत का दौरा करने वाली टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली है। टी20 विश्व कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में जून में खेला जायेगा। मोट के अनुसार जोस बटलर और फिल साल्ट की सलामी जोड़ी के टी20 विश्व कप केलिए टीम में बने रहने की उम्मीद है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी उत्पादन की उन्नत तकनीक

ग्रीष्मकालीन सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है। ग्रीष्मकाल में भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते है। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट खनिज लवणों के अतिरिक्त विटामिन 'ए', 'सी' थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। इस लेख में ग्रीष्मकालीन भिंडी की उत्पादन तकनीक की विवेचना की गयी है:-

जलवायु एवं भूमि की तैयारी:- भिंडी के उत्पादन हेतु गर्म मौसम अनुकुल होता है। बीजों के अंकुरण हेतु 20 सेंटीग्रेड से कम का तापमान प्रतिकूल होता है। 42 सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फूल का परागण नहीं होता है एवं फूल गिर जाते है।

सामान्यत: भिंडी की खेती सभी प्रकार की भूमियों पर की जा सकती है परन्तु हल्की दोमट मिट्टी जिसमें पर्याप्त मात्रा में जीवांश उपलब्ध हो एवं उचित जल निकास की सुविधा हो, भिंडी की खेती हेतु श्रेष्ठ होती हैं। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भूरभूरा कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में- अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति, पूसा-ए-4, वर्षा उपहार,

बीज एवं बीजोपचार:- ग्रीष्मकालीन फसल हेतु 18-20 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टर बुवाई के लिए पर्याप्त होता है जबकि वर्षाकालीन फसल में अधिक बढ़वार की कारण 12-15 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर उपयोग करना चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी के बीजों को बुवाई के पूर्व 12-24 घंटे तक पानी में डुबाकर रखने से अच्छा अंकुरण होता है। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम थायरम या कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीजदर से उपचारित करना चाहिए। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है।

बुवाई:- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में की जाती है। फिर भी अगेती फसल हेतु छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 15 जनवरी के बाद भी बुवाई की जा सकती हे। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे की मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है।

पोषण प्रबंधन:- भिंडी की बुवाई के दो सप्ताह पूर्व 250-300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। प्रमुख तत्वों में नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश क्रमशः 60 कि.ग्रा., 30 कि.ग्रा. एवं 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

जलप्रबंधन:- यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो बुवाई के पूर्व एक सिंचाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में प्रत्येक पांच से सात दिन के अंतराल पर सिंचाई आवश्यक होती है। बरसात में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा अतिवृष्टि के समय उचित जलनिकास प्रबंध करना चाहिए।

निदाई-गुड़ाई:- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक नींदानाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। बासालिन को 1.2 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व को प्रति हेक्टर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

फल की तोड़ाई एवं उपज:- किस्म की गुणता के अनुसार 45-60 दिनों में फलों की तुड़ाई प्रारंभ की जाती है एवं 4 से 5 दिनों के अंतराल पर नियमित तुड़ाई की जानी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी फसल में उत्पादन 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टर तक होता है।

पौध संरक्षण:- भिंडी के प्रमुख रोग पीत शिरा मौजक एवं चूर्णिल आसिता एवं नुकसानदायक कीट प्ररोह एवं फल छेदक तथा जैसिड है।

पीत शिरा रोग:- यह भिंडी की फसल में नुकसान पहुचाने वाला प्रमुख रोग है। इस रोग के प्रकोप से सर्वप्रथम पत्तियों की शिराएं पीली पड़ने लगती है। तत्पश्चात पूरी पत्तियाँ एवं फल भी पीले रंग के हो जाते है पौधे की बढ़वार रुक जाती है। वर्षा ऋतु में इस रोग का संक्रमण अधिक होता है।

सर्वप्रथम इस रोग के लक्षण वाले पौधे दिखाई देते ही उन्हें उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए। यह विषाणु जनित रोग सफेद मक्खी कीट द्वारा स्वस्थ पौधों में फैलाया जाता है। अतः रोग संवाहक कीट के नियंत्रण हेतु आक्सी मिथाइल डेमेटान 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग का प्रसारण कम होता है। पीतशिरा रोग प्रतिरोधी किस्मों जैसे अर्का अभय, अर्का अनामिका, परभणी क्रांति इत्यादि का चुनाव करना चाहिए। फसल के चारों ओर 2-3 कतार मक्का बोने से भी रोग का फैलाव नियंत्रित किया जा सकता है।

चूर्णिल आसिता:- इस रोग में भिंडी की पुरानी निचली पत्तियों पर सफेद चूर्ण युक्त हल्के पीले धब्बे पड़ने लगते है। ये सफेद चूर्ण वाले धब्बे काफी तेजी से फैलते है। इस रोग का नियंत्रण न करने पर पैदावार 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 या 3 बार 12-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

प्ररोह एवं फल छेदक:- इस कीट का प्रकोप वर्षा ऋतु में अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में इल्ली कोमल तने में छेद करती है जिससे तना सूख जाता है। फूलों पर इसके आक्रमण से फल लगने के पूर्व फूल गिर जाते है। फल लगने पर इल्ली छेदकर उनको खाती है जिससे फल मुड़ जाते हैं एवं खाने योग्य नहीं रहते है।

जैसिड:- ये सुक्ष्म आकार के कीट पत्तियों, कोमल तने एवं फल से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते है।

फल छेदक के द्वारा आक्रमण किये गये फलों एवं तने को काटकर नष्ट कर देना चाहिए। क्विनॉलफास 25 ई.सी. 1.5 मिली लीटर या इंडोसल्फान 1.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से कीट प्रकोप की मात्रा के अनुसार 2-3 बार छिड़काव करने से जैसिड एवं फल प्ररोह छेदक कीटों का प्रभावी नियंत्रण होता है। फल बनने के उपरांत कीट प्रकोप होने पर 'फेनवेलरेट' 0.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर उपर्युक्त बनाये कीटनाशक के साथ अदल-बदल कर प्रयोग करें।

कैसे करें संरक्षित खेती

संरक्षित खेती का मुख्य उद्देश्य सब्जी फसलों को मुख्य जैविक या अजैविक कारकों से बचाकर उगाना होता है। इसमें फसल को किसी एक कारक या कई कारकों से बचाकर उगाया जा सकता है।

संरक्षित सब्जी उत्पादन के लिए सब्जी उत्पादकों को संरक्षित खेती व विभिन्न संरक्षित संरचनाओं की पूर्ण जानकारी होना बहुत आवश्यक है। उसके बाद ही उत्पादक तय कर सकता है कि वह किस प्रकार की संरक्षित तकनीक अपनाकर बेमौसमी सबजियों का उत्पादन करे। कौन कौन सी संरक्षित प्रौद्योगिकीयॉ हैं जिनमे वह सबजियों को वर्ष भर उगा सकता है। संरक्षित संरचनाओं को बनाने के बाद में रख रखाव में क्या व्यय होगा तथा उच्च गुणवत्ता वाली सबजियों को वह किस बाजार में बेचकर अधिक लाभ कमा सकता है। इन सभी विषयों की जानकारी आवश्यक है।

मुख्यत: सब्जी उत्पादन हेतू उचित व उपयुक्त संरक्षित प्रौद्योगिकी की आवश्यकता उस क्षेत्र की जलवायु पर निर्भर करती है। लेकिन इसके अलावा किसान की आर्थिक दशा, टिकाऊ व उच्च बाजारकी उपलब्धता व बिजली की उपलब्ध्ता आदि कारक भी इसको निर्धारित करते है। सब्जीयों के बेमौसमी उत्पादन हेतू मुख्यत : वातावरण अनुकूलित ग्रीनहाउस, प्राकृतिक वायु संचारित ग्रीनहाउस, कम लागत वाले पॉलीहाउस, वाक-इन-टनल, कीट अवरोधी नेटहाउस तथा लो प्लासटिक टनल आदि संरचनाओं का उपयोग किया जाता है।

बेमौसमी सब्जियों की संरक्षित खेती के लिए सबजियों की पौध प्लग ट्रे पद्धती से ग्रीनहाउस मे तैयार की जाती है। तथा उसके बाद पौधो को उपयुक्त संरक्षित संरचना में रोपाई करते है।

वाक-इन- टनल तकनीक

वाक-इन- टनल एक प्रकार की अस्थाई संरक्षित संरचना है जो आधा इंच मोटाई के जंग रोधी पाईपों को अर्धगोलाकार आकार मे मोडकर तथा इन्हे सरियों के टुकडो के सहारे खेत में खडा करके उसके उपर पारदर्शी प्लासटिक की चादर से ढककर बनाया जाता है। इसके मध्य में ऊंचाई लगभग 6 से 6.5 फुट तथा जमीन पर एक सिरे से दूसरे सिरे तक चौडाई 4 मीटर तक होती है।

इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं को सर्दी के मौसम में बेमोसमी सब्जी जैसे लोकी, खरबूजा, तरबूज, खीरा, चप्पनकद्दू , तथा अन्य कद्दू वर्गीय सब्जीयां उगाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में दिन के समय जब सूर्य की रोशनी प्लासटिक पर मडती है तो टनल के अन्दर का तापमान काफी (लगभग 10 से 12 डि.ग्री से.) बढ जाता है । जिससे कद्दू वर्गीय सब्जीयों को कम तापमान के दिनो में भी बढवार करने में सफलता मिल जाती है।

वाक-इन- टनल की लम्बाई आवश्यकता अनुसार बढाई जा सकती है। लेकिन सामान्यत- इनकी लम्बाई 25 से 30 मीटर होती है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं- प्लासटिक की चादर की उपलब्ध माप, टनल में हवा का आदान प्रदान, तथा इस लम्बाई के टनल में मधुमक्खीयों को भी परागण कार्य करने में कोई असुविधा नही होती। इन संरचनाओं को बनाने में लागत भी बहुत कम ही आती है। तथा अस्थाई होने के कारण इनकी देखभाल भी सरलता पूर्वक की जा सकती है।

इन संरचनाओं का उपयोग केवल सर्दी के मौसम (दिसम्बर जनवरी व फरवरी माह) में ही फसल उत्पादन के लिए किया जा सकता है। क्योकि सर्दी के बाद इसके अंदर का तापमान बहुत अधिक बढ जाता है तथा हवा का अधिक आदान प्रदान न होने के कारण तब इनमे फसल उगाना संभव नही होता है। यही नही इनका उपयोग पहाडी क्षेत्रों मे और भी लम्बे समय तक सब्जी उत्पादन के लिए किया जाता है। इसी प्रकार इन संरचनाओं को ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों मे भी सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग मे लाना सम्भव है।

छतरपुर के गांधी आश्रम में जैविक खेती का अद्भुत प्रयोग

यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले हैं - संजय और दमयंती। जिस बुदेलखंड में पिछले पांच सालों में भयंकर सूखे से किसानों की कमर टूट गई है, उसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां खुशियों की खेती लहलहा रही है। विदर्भ के बाद मध्यप्रदेश में किसानों की बढ़ती आत्महत्याओं के बीच खेती का यह प्रयोग एक मिसाल पेश करता है। यहां जैविक, परंपरागत और टिकाऊ खेती की किताबी बातें नहीं की जातीं बल्कि जमीन पर नजर भी आती हैं। कड़कड़ाती ठंड और पाला भी इस इलाके में लगी दलहनी फसलों को नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पेड़-पौधों की रंगत देखकर ही लगता है कि यहां की मिट्टी ने अपनी खोयी ताकत और ऊर्जा फिर पा ली है। यह कोई वर्षों की मेहनत नहीं बल्कि केवल चार साल की लगन का नतीजा है। मिसाल पेश करने वाले है संजय और दमयंती और जगह है छतरपुर।

टिकाऊ खेती की बात से पहले आपको थोड़ा सा इतिहास जानना जरूरी होगा। गांधी आश्रम छतरपुर ऐतिहासिक महत्व की जगह है। अंग्रेजी शासन काल के बाद दीवान साहब के बंगले से यह जगह गांधी विचारों को आगे ले जाने का एक केन्द्र बनी। तत्कालीन दीवान ने विनोबा के भूदान आंदोलन से प्रेरित होकर इस बंगले और बंगले से लगी जमीन को गांधी विचारों के लिए समर्पित कर दिया। उसके बाद इसे गांधी आश्रम के नाम से विकसित किया गया। सांस्कृतिक-साहित्यिक-सामाजिक गतिविधियों को यहां से संचालित किया जाता रहा। सत्तर के दशक में जब चंबल में डाकुओं का आतंक अपने चरम पर पहुंचकर आत्मसमर्पण की ओर बढ़ा तब इस प्रक्रिया की बुनियाद इसी आश्रम के पुस्तकालय से पड़ी। जयप्रकाश नारायण के साथ यहां डाकुओं की बातचीत हुई और इसके बाद डाकुओं ने आत्मसमर्पण भी किए। गांधी का ग्रामस्वराज, बुनियादी तालीम और टिकाऊ विकास की अवधारणाओं की झलक इस छोटे से आश्रम में दिखाई देती है। बीच में एक लंबा दौर ऐसा भी आया जब यह आश्रम भूमाफियों और सामाजिक गतिविधियों के केन्द्र में तब्दील हो गया।

2006 में गांधी विचारों से जुड़े संजय और दमयंती जब इस जगह आए तो उन्होंने ठान लिया कि यहां की तस्वीर को बदलने के लिए वह कठिन परिश्रम करेंगे। खेती-किसानी और प्रकृत्ति प्रेमी भाई ने इस आश्रम से लगे लगभग चालीस

एकड़ खेत में जैविक खेती के प्रयोग को शुरू करने की योजना बनाई। एक ओर जहां नकद फसलों ने फसलों की विविधता को खत्म कर दिया है वहीं इस आश्रम में उन्होंने अलग-अलग फसलों को अपनाया। इस छोटी सी जमीन पर गेहूं, चना, सरसों, अरहर, ज्वार, मक्का, जौं सहित ऐसी फसलें लीं जो सीधे-सीधे किसान अपने खाने के लिए भी उपयोग करते हैं। दरअसल खेती का परंपरागत तरीका था भी यहीं कि किसान ज्यादातर खाद्यान्न और मसाले अपने खेतों में पैदा किया करते थे और उन्हें हर चीज के लिए बाजार की ओर मुंह नहीं देखना पड़ता था, अब किसान गेहूं-सोयाबीन पैदा तो खूब कर रहे हैं, लेकिन दाल-मसालों के लिए वह बाजार पर निर्भर है। खेती की इस विविधता से आश्रम की व्यवस्थाएं भी स्वतः संचालित होती है। यहां तक की सब्जी और फलों का उत्पादन भी आश्रम से ही हो जाता है। इस खेती की सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले चार सालों से यहां रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। वर्मी कम्पोस्ट और गोमूत्र के जरिए यहां की फसलों को जान मिलती है। 40 एकड़ के इस क्षेत्र को आश्रम के केवल सात कार्यकर्ता अंजाम देते हैं। संजय भाई बताते हैं कि आज के इस दौर में जैविक खेती करना थोड़ा कठिन जरूर लग सकता है पर यह असंभव कतई नहीं है। हम अपने खेतों में उतना ही समय खर्च करते हैं जितना दूसरे किसान। पर यहां आपको यह समझना होगा कि जमीन क्या चाहती है। किस तरह की जमीन पर किस तरह के फसल ठीक रहेगी यह समझना होगा।इस आश्रम की एक खास बात यह है कि आप यहां पूरी तरह जैविक भोजन का आनंद ले सकते हैं। यहां तक की दाल-मसाले और तेल भी खुद की उगाई गई तिल का। इस आश्रम में चल रही खेती के प्रयोग को समझने फ्रांस के निकोलस आए हैं। निकोलस कहते हैं कि 'वह भारत में जैविक खेती के अलग-अलग प्रयोगों को उन्होंने देखा, लेकिन यह प्रयोग सबसे अद्भुत है। इसलिए भी क्योंकि यह गांधी के विचारों से जुड़ा हुआ है। गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे और गांव की अर्थव्ययवस्था के एक मॉडल की बात करते थे जहां कि ग्रामवासी आपसी व्यवहार में अपने साझा जीवन को अंजाम देते थे। यह प्रयोग अपने आप में दिलचस्प है।' यही कारण है कि वह न केवल इस खेती पर अध्ययन कर रहे हैं बल्कि इस प्रयोग के साथ इतना रम गए हैं कि वह खुद खेतों में पसीना बहाते हैं। बिहार के सामाजिक कार्यकर्ता भावेश भी इस प्रयोग के साथ जुड़कर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि कम लागत की इस खेती को जीवन के साथ जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है।

अमेरिका में भारतियों को निशाना बना रहे चोर....पुलिस की चेतावनी

-भारतीय-अमेरिकियों के घरों में हो रही चोरियां

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राज्य वाशिंगटन के बोथेल शहर में भारतीय-अमेरिकियों को निशाना बनाकर चोरियों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बाद पुलिस ने लोगों को चेतावनी जारी की है। रिपोर्टों में कहा गया है कि चोरियां स्नोहोमिश काउंटी में 35वें एवेन्यू साउथईस्ट के साथ 180वीं स्ट्रीट साउथईस्ट और 228वीं स्ट्रीट साउथईस्ट में हो रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, स्नोहोमिश काउंटी शेरिफ कार्यालय (एससीएसओ) ने तीन संदिग्धों की तस्वीरें जारी कीं और उनकी पहचान करने में सार्वजनिक सहायता मांगी। कुछ महीने पहले ही इस क्षेत्र में आई अनु ने बताया, जब हम यहां आए थे, मुझे ऐसा लगता था कि यह बहुत सुरक्षित जगह है, लेकिन अभी ऐसा नहीं लगाता। उनके पति राम ने कहा कि उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए पेपर स्प्रे और सिक्योरिटी कैमरे खरीदने पर हजारों डॉलर खर्च किए हैं। राम ने बताया, हमारे पास एक डॉग है, लेकिन मैं खुद को सुरक्षित महसूस करने के लिए एक गार्ड डॉग लेने के बारे में सोच रहा हूं। हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष रोहित पाटिल ने बताया, मुझे हैरानी नहीं होगी अगर (चोरी के क्षेत्र में) 50 प्रतिशत से अधिक निवासी भारतीय मूल के हैं। पाटिल के अनुसार, चोर आभूषण और अन्य कीमती सामान चुरा कर ले जाते हैं। अधिकारियों ने निवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने कीमती सामान का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि सभी खिड़कियां, स्लाइडिंग दरवाजे और एक्सेस प्वाइंट बंद हो।

ट्रांसजेंडर पति 6 माह का प्रेग्नेंट....बीबी कर रही उसकी देखभाल

लंदन। मर्दों के प्रेग्नेंट होने की घटनाएं कई बार सामने आई हैं। लेकिन ये मामला कुछ अजीब है। दो दोस्त कॉलेज में मिले। धीरे-धीरे प्यार हो गया। एक बेटी भी हुई, जो अब 4 साल की है। बाद में पता चला कि पति ट्रांसजेंडर है। पति को महिलाओं की तरह रहना पसंद है। उसका शरीर भी महिलाओं की तरह है। फिर लगा कि रिश्ता टूट जाएगा। लेकिन बीवी ने सबकुछ संभाला और अब पति 6 महीने से प्रेग्नेंट है। बच्चे को जन्म देने वाला है और बीवी उसकी देखभाल कर रही है। ब्रिटेन के रहने वाले क्रिस्टिन कुक और पत्नी एशले हाल ही में एक यूट्यूब शो में नजर आए। जहां उन्होंने अपनी कहानी बयां की। क्रिस्टिन दिखने में पुरुष थे, लेकिन प्रजनन अंगों के साथ पैदा हुए. एशले से उनकी मुलाकात 2010 में हुई और अंततः दोनों में प्यार हो गया। क्रिस्टिन ने कहा, जब मैं पहली बार एशले से मिला था तभी मैनें बता दिया था कि मेरी पहचान महिला है। जब मैं 8 साल का था तभी मुझे लगता था कि भगवान ने कुछ गड़बड़ कर दी है और मुझे लड़की के बजाय लड़के का दिमाग दे दिया। एशले से पूछा गया कि उन्हें जब पता चला कि क्रिस्टीन ट्रांसजेंडर हैं, तब कैसा लगा? एशले ने बताया कि मुझे शुरुआत में काफी अजीब लगा। लेकिन अब हम इससे उबर गए हैं। मुझे खुशी है कि क्रिस्टीन हमारे दूसरे बच्चे को जन्म देने जा रही है। एशले ने कहा, जब मेरी पहली बेटी स्कार्लेट पैदा हुई थी, तभी मैंने सोच लिया था कि एक और बच्चा होना चाहिए। इस लेकर हम दोनों के बीच कभी विवाद नहीं रहा कि कौन पैदा करेगा। जब क्रिस्टीन ने कहा कि मैं अगले बच्चे को जन्म देना चाहती हूं क्योंकि तुमने एक बच्चे को जन्म दिया है, तब मैं खुश हो गई. यह कितना सुंदर फैसला था। मैं इस पल का इंतजार कर रही थी। क्रिस्टीन खुद को 'सीहॉर्सडैड' बताते हैं। यह शब्द उन ट्रांसजेंडर पुरुषों के लिए इस्तेमाल होता है, जो अपने बच्चों को नर समुद्री घोड़े की तरह ही पालते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि लोगों की सोच बदल रही है। मुझे शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। कई लोगों ने मेरी आलोचना भी की। लेकिन जब मैंने सोशल मीडिया पर अपनी कहानी शेयर करनी शुरू की तब बहुत तारीफें भी मिलीं।

20,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत : स्वास्थ्य अधिकारी

गाजा । हमास शासित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध में 20,000 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो गई है। यह संख्या दिखाती है कि लोगों को युद्ध का कितना खमियाजा उठाना पड़ रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने लड़ाई में 20,057 लोगों की मौत दर्ज की है। इसमें लड़ाकों और नागरिकों की मौत के आंकड़े अलग-अलग नहीं हैं। उसने पहले बताया था कि तकरीबन दो तिहाई मृतकों में महिलाएं या नाबालिग शामिल हैं।

जापान में भूकंप के झटके

टोक्यो । जापान में होंशू के पूर्वी तट के पास भूकंप के झटके महसूस हुए है। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियो साइंसेज ने बताया कि शुक्रवार को आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र, 40.14 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.00 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10.0 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था।

अमेरिका मना सकता है इजरायल को गाजा में गोलीबारी बंद करने के लिए, वियना में फिलिस्तीनी राजदूत ने कहा

गाजा । अमेरिका इजरायल को गाजा में गोलीबारी बंद करने के लिए राजी कर सकता है। वियना में फिलिस्तीनी राजदूत सलाह अब्देल-शफी ने इसकी जानकारी दी है। अब्देल-शफी ने कहा हम जानते हैं कि यदि अमेरिका चाहे कि इजरायल रुकें, तब वे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन अमेरिका उन्हें रोकने के बजाय, उनका समर्थन करते हैं। उल्लेखनीय है कि गत सात अक्टूबर को, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने सीमा पार गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट से हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किए और गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी। गाजा में इजरायली हमलों में 20,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। हमास ने अभी भी सौ से अधिक लोगों को बंधक बना रखा है।

खतरनाक मोड़ पर पहुंची जंग, हमास ने इजराइल से कहा नहीं छोड़ेंगे बंधक

गाजा,। हाल ही में इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग ने कहा था कि वे दूसरे युद्धविराम के लिए तैयार हैं। इसको लेकर बातचीत चल रही है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी मानवीय युद्धविराम के मूड में थे, ताकि और भी बंधकों की रिहाई हो सके। लेकिन हमास ने बंधकों की रिहाई नहीं करने का फैसला करके इजराइल की चिंता बढ़ा दी है। उसने बंधकों के रूप में मानो इजराइल की नब्ज पकड़ ली है। ऐलान कर दिया है कि जब तक युद्ध खत्म नहीं होगा तब तक बंधकों की रिहाई नहीं होगी। 75 दिनों की जंग में एक बार सात दिनों का युद्धविराम हुआ है, जब 105 बंधकों की रिहाई की गई थी। इसके बाद से हमास के कमोबेश 2000 लड़ाके मारे गए हैं, लेकिन और हालिया ऐलान से माना जाता है कि हमास अपना और नुकसान नहीं चाहता। इजराइल की तरफ से पिछले कुछ दिनों से बंधकों की रिहाई का मुद्दा उठाया जा रहा था।

7 अक्टूबर के हमले में हमास के लड़ाकों ने इजराइल से कमोबेश 240 लोगों को पकड़ लिया था और उन्हें गाजा ले गए थे। 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक सात दिनों का युद्धविराम हुआ और इस दरमियान 25 थाई समेत विदेशी नागरिक और 80 इजराइली नागरिक रिहा किए गए। बताया जाता है कि अब भी 120 बंधक हमास की कैद में हैं। हमास ने ऐलान किया है, फिलिस्तीनियों का फैसला है कि जब तक इजराइल युद्ध को पूरी तरह से खत्म करने के लिए राजी नहीं होता, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी। युद्धविराम को लेकर यूनाइटेड नेशन में प्रस्ताव पेंडिंग है और आज इस पर वोटिंग होनी है। अमेरिका के वीटो की वजह से प्रस्ताव पास होना मुश्किल है। अब तक चार मौकों पर अमेरिका ने प्रस्ताव को वीटो किया है, जिससे माना जा रहा है कि अमेरिका अभी युद्ध खत्म कराने के मूड में नहीं है। संभावित युद्धविराम को लेकर मिस्र के काहिरा में बैठकें चल रही थी। बुधवार को इस मामले पर एक मीटिंग हुई थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हुआ।

मिस्र के काहिरा में क्रिसमस की सजावट के साथ तैयार एक बाजार।

बीजिंग ताइवान को फिर से अपने मेनलैंड के साथ जोड़ेगा : शी जिनपिंग

-चीने ने अमेरिका को दी सैन फ्रांसिस्को में शिखर सम्मेलन के दैरान चेतावनी

सैन फ्रांसिस्को । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को चेताया है कि अब बीजिंग ताइवान को फिर से अपने मेनलैंड के साथ जोड़ लेगा। हालांकि शी जिनपिंग ने अभी इसकी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है। यह चेतावनी शी जिनपिंग ने सैन फ्रांसिस्को में अपने हालिया शिखर सम्मेलन के दौरान दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक दर्जन अमेरिकी और चीनी अधिकारियों की एक ग्रुप मीटिंग में, शी ने जो बाइडन से कहा कि चीन की प्राथमिकता है कि वो ताइवान को शांति से ले ले, बल से नहीं। यह जानकारी मीटिंग में शामिल अधिकारियों ने दी। चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी सैन्य नेताओं की सार्वजनिक भविष्यवाणियों का भी हवाला दिया, जो कहते थे कि शी जिनपिंग 2025 या 2027 में ताइवान को लेने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बाइडन को बताया कि वे गलत थे क्योंकि उन्होंने कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है। बैठक के बारे में जानकारी देने वाले अधिकारी के अनुसार, चीनी अधिकारियों ने शिखर सम्मेलन से पहले यह भी कहा कि जो बाइडन मीटिंग के बाद एक सार्वजनिक बयान दें और कहें कि अमेरिका ताइवान के साथ शांतिपूर्ण एकीकरण के चीन के लक्ष्य का समर्थन करता है। वह ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने चीन के अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया है। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ये खुलासे दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण बैठक के बारे तनाव कम के लिए भी किए गए हैं।

नेतन्याहू ने हमास को दिया अल्टीमेटम कहा सरेंडर नहीं किया तो मारे जाओगे

तेलअवीव(एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच लगभग तीन महीने से जंग चल रही है। हजारों लोगों की जान चली गई है लेकिन युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। वहीं हमास भी इजरायल के सामने निरंतर चुनौतियां खड़ी कर रहा है। ऐसे में इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का गुस्सा भी सातवे आसमान पर पहुंच गया है। उन्होंने हमास को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि हमास को जल्द से जल्द सरेंडर कर देना चाहिए। यदि ऐसा नही होता है तो उन्हे मरने के लिए भी तैयार होना चाहिए। एक रिपोर्ट में कहा है कि इजराइल ने गाजा में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करने की हमास की मांग को खारिज कर दिया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध को लेकर अपने पुराने स्टैंड को ही दोहराया है। उन्होंने कहा है कि जब तक हमास को पूरी तरह से नष्ट नहीं किया जाता और बंधकों को सुरक्षित और स्वस्थ रिहा नहीं किया जाता तब तक लड़ाई बिल्कुल भी नहीं रुकेगी।

इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हमास को एक सरल विकल्प दिया गया था- या तो वे आत्मसमर्पण कर दे, या मर जाए। उनके पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है।गाजा पर जमीनी हमले में अब तक कम से कम 134 इजरायली सैनिक मारे गये हैं और लगभग 740 घायल हुये हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली सेना के

हवाला से यह जानकारी दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा की लड़ाई में तीन और इजरायली सैनिकों के मारे गये हैं जिनमें बटालियन 931 में एक 19 वर्षीय सार्जेंट और 20 और 21 साल के दो लेफ्टिनेंट शामिल हैं।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह आंदोलन के एक ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला किया है। आईडीएफ ने बुधवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने लेबनान में हिजबुल्ला के ऑपरेशनल कमांड सेंटर पर हमला किया। आईडीएफ ने कहा कि उसके सैनिकों ने मेतुला क्षेत्र में सीमा के पास लेबनान से सुरक्षा बाड़ के पास आने वाले कई आतंकवादियों की पहचान की। आईडीएफ सैनिकों ने उन पर गोलियां चलाईं। आपको बता दें कि इसी साल सात अक्टूबर को हमास ने सीमा पार गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया, जिसमें 1,200 से ज्यादा लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य को बंधक बना लिया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किया, गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास के लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी एन्क्लेव में जमीनी घुसपैठ शुरू की। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि इस संघर्ष में अबतक गाजा में 20,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

गाजा में 10 सप्ताह से अधिक समय पहले युद्ध शुरू होने के बाद से क्षेत्र में पर्याप्त खाद्य पदार्थों के नहीं पहुंचने के कारण पांच लाख से अधिक लोग भुखमरी का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। विश्व खाद्य कार्यक्रम के मुख्य अर्थशास्त्री आरिफ हुसैन ने कहा, यह ऐसी स्थिति है जहां गाजा में लगभग हर कोई भुखमरी का सामना कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इजरायल और हमास के बीच युद्ध इसी स्तर पर जारी रहा तो अगले छह महीनों के भीतर भुखमरी की भयंकर स्थिति बन जाएगी।

शिक्षा की इजाजत पर, महिलाएं और लड़कियां एक साथ नहीं पढ़ सकतीं : तालिबान

काबुल (एजेंसी)। तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को पढ़ाई करने की अनुमति दे दी है। लेकिन इसमें एक शर्त भी लगा दी है। फरमान ये है कि जिस मदरसे में लड़कियां तालीम ले रहीं है उसमें महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस आशय की जानकारी शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मंसूर अहमद ने एक न्यूज एजेंसी से चर्चा करते हुए दी।अहमद ने कहा है कि मदरसे में पढ़ने के लिए एक शर्त है और वह ये कि लड़कियों को अपनी उम्र के ही मदरसे में तालीम के लिए जाना होगा। कहने का अर्थ ये है कि बड़ी उम्र की महिलाएं, छोटी लड़कियों के मदरसे में पढ़ाई के लिए नहीं जा सकतीं। मंसूर अहमद, तालिबानी सरकार के अधिकारी ने पर यह नहीं बताया कि मदरसा जाने वाली लड़कियों की तादाद कितनी है। ऐसे में जब तक कोई अंतर राष्ट्रीय संस्था इस दावे को तथ्य और सबूत के साथ वेरिफाई न कर दे, तालिबानी अधिकारी की बात को दावा ही समझना चाहिए।

दरअसल अफगानिस्तान दुनिया का अकेला ऐसा देश है जहां महिलाओं की शिक्षा पर रोक है। एक साल पहले अफगानिस्तान की सरकार ने यह कह कर महिलाओं की पढ़ाई पर पाबंदी लगा दी थी कि इससे समाज का तानाबाना बिगड़ रहा है। साथ ही तालिबान का कहना था कि कुछ विषय ऐसे हैं जिनसे इस्लाम की शिक्षाओं का अनादर हो रहा है। अफगानिस्तान में कुल तकरीबन 20 हजार मदरसा हैं। इनमें से लगभग 13 हजार 500 मदरसे ऐसे हैं जो अफगानिस्तान की सरकार के नियंत्रण में हैं। साल 2021 के अगस्त महीने में अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के आने के बाद से देश में महिलाओं पर पहरे हैं। न सिर्फ उन्हें परदे में रहना पड़ रहा है बल्कि वह इस संकट में हैं कि वह अपनी समस्याओं को किस से बयान करें। जो सबसे बड़ी अड़चन इस में फिलहाल है, वह महिलाओं की शिक्षा को लेकर है।

पाकिस्तान चुनाव 2024 के लिए इमरान खान ने दाखिल किया नामांकन, मियांवाली सीट से लड़ेंगे चुनाव

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। इमरान खान ने अपने गृहनगर मियांवाली में नेशनल असेंबली सीट से चुनाव लड़ने के लिए अपना पर्चा दाखिल किया। यह तब आया है जब पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को राज्य के रहस्यों को लीक करने से संबंधित एक मामले में जमानत दे दी है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि भ्रष्टाचार के आरोप में तीन साल की सजा काटने के दौरान उन्हें कैसे रिहा किया जा सकता है। अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से इमरान खान कई राजनीतिक और कानूनी लड़ाइयों में उलझे हुए हैं।

अदालत ने कहा कि उन्हें यह दिखाने के लिए पर्याप्त आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली कि इमरान खान ने एक विदेशी शक्ति को लाभ पहुंचाने के इरादे से राज्य के रहस्यों को लीक किया। आदेश में कहा गया है कि चुनाव की अवधि के दौरान इमरान खान की जमानत पर रिहाई वास्तविक चुनाव सुनिश्चित करेगी और इस प्रकार लोगों को प्रभावी ढंग से और सार्थक रूप से अपनी इच्छा व्यक्त करने के अधिकार का उपयोग करने में सक्षम बनाएगी। जमानत की रियायत को अस्वीकार करने के लिए कोई असाधारण परिस्थितियां नहीं हैं।

लाल सागर में हूती विद्रोहियों से लोहा लेने अमेरिका ने बनाया प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों के बाद प्रमुख शिपिंग कंपनियां और तेल उत्पादक लाल सागर से दूर जा रहे हैं। बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य, लाल सागर का एक प्रमुख मार्ग है, जहां ईरान-गठबंधन हौथिस ने गाजा में इजराइल की कार्रवाई के प्रतिशोध में जहाजों को निशाना बनाया है। इस व्यवधान ने वैश्विक व्यापार को उथल-पुथल में डाल दिया है, आपूर्ति श्रृंखलाओं को खतरे में डाल दिया है, कीमतें बढ़ गई हैं और महत्वपूर्ण डिलीवरी में देरी हो रही है।

शिपिंग दिग्गज मार्सक और हापाग-लॉयड के बाद, तेल और गैस हेवीवेट ब्रिटिश पेट्रोलियम (बीपी) अपने चालक दल के लिए सुरक्षा उपाय के रूप में सभी लाल सागर पारगमन को रोकने के लिए नवीनतम बन गया, जिससे तेल और प्राकृतिक गैस का परिवहन प्रभावित हुआ। यह एहतियाती कदम बढ़ते तनाव और कंटेनर जहाजों और तेल टैंकरों पर हमलों की पुष्टि के बीच उठाया गया है। इसका असर ऊर्जा बाजारों पर महसूस हो रहा है, इन हमलों पर चिंताओं के कारण तेल और यूरोपीय प्राकृतिक गैस दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

वैश्विक व्यापार के लगभग 12 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार स्वेज नहर को जहाज मार्ग में कमी का

सामना करना पड़ रहा है। एशिया-यूरोप व्यापार के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग अब आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यापक व्यवधान पैदा करने का जोखिम उठा रहा है।

हौथिस ने इजराइल जाने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी, जिससे अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस की नौसेना बलों को दुष्ट ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। बढ़ते खतरे के जवाब में, पेंटागन ने घोषणा की है कि लाल सागर में वाणिज्यिक यातायात की सुरक्षा के लिए 20 से अधिक देश अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन, ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन में शामिल हो गए हैं। इस पहल में हौथी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए संयुक्त गश्त और सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाएंगे।

अमेरिका में अवैध तरीके घुसपैठ करने के मामले में भारतीय तीसरे नंबर पर

-पिछले 10 साल में यहां संख्या 100 गुना बढ़ी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से घुसपैठ के मामले बढ़ते जा रहे हैं। वैसे मैक्सिको, ग्वाटेमाला, होंडुरास और इक्काडोर के लोग अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हैं। लेकिन इस सूची में भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। पहले ये संख्या काफी कम थी लेकिन अब नए आंकड़ों से पता चला है कि भारत से बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी अमेरिका का रुख कर रहे हैं। इतना ही नहीं अवैध घुसपैठ के लिए मैक्सिको सीमा का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2012 से 2022 के बीच मैक्सिको के द्वारा अमेरिका में घुसने वाले भारतीयों की संख्या में 100 गुना बढ़ोतरी हुई है। साल 2012 में अमेरिका की कस्टम और बॉर्डर पेट्रोल पुलिस ने 642 इसतरह के मामले दर्ज किए थे।

जबकि साल 2022 में ये संख्या बढ़कर 63,927 हो गई। वहीं, थिंक टैंक न्यू अमेरिकन इकोनॉमी के मुताबिक, अमेरिका में अवैध रूप से घुसने में भारतीय तीसरे नंबर पर हैं। अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के अनुसार बीते साल अक्टूबर से लेकर इस साल सितंबर तक शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान भारत से लगभग 42,000 प्रवासियों ने दक्षिणी और मैक्सिको सीमा के जरिए अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया है। मैक्सिको सीमा के जरिए भारतीयों के आगमन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 2 युवतियों सहित 12 लोगों से सीमा पर अधिकारी द्वारा अंग्रेजी भाषा में सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। इनमें कुछ युवक पंजाबी भी हैं। अमेरिका में अवैध रूप से घुसने वाले करीब 97 हजार भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। ये आंकड़ा एक साल यानि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 का है। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन डेटा के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए 96,917 भारतीयों में से 41,770 भारतीय यूएस-मैक्सिको बॉर्डर पार करते समय गिरफ्तार हुए जबकि 30,010 भारतीय यूएस-कनाडा बॉर्डर पर कड़े गए। पिछले एक साल में लगभग 45,000 भारतीयों ने अवैध रूप से अमेरिका की दक्षिणी सीमा पार की है। इन भारतीयों को अपने देश में डर महसूस होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में राजनीतिक और धार्मिक उत्पीड़न के कारण अमेरिका आने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ी है। अपने देश में आर्थिक अवसरों यानी नौकरी की कमी भी एक बड़ी वजह है।

अमेरिकन ड्रीम के चक्कर में भारतीय अपनी जान भी जोखिम डाल रहे हैं। पिछले साल 21 जनवरी को अमेरिका से 30 मील पहले कनाडा

में एक गुजराती परिवार के चार लोगों के शव बर्फ में दबे मिले थे। यह परिवार अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल होना चाहता था और बर्फीले तूफान की जद में आ गया। इसी तरह, पिछले साल जून में अमेरिकी सीमा पर पेट्रोलिंग टीम ने डूबती हुई बोट से 6 भारतीयों को बचाया। इन पर गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में घुसने का केस दर्ज किया गया था। थिंक टैंक न्यू अमेरिकन इकोनॉमी के मुताबिक, यूएस एक करोड़ गैरकानूनी प्रवासी रहते हैं। इनमें 6 लाख से ज्यादा भारतीय हैं।

बृजभूषण सिंह के घर लगे पोस्टर- दबदबा तो है, दबदबा तो रहेगा

नई दिल्ली। यौन शोषण के आरोपों के बाद विवादों में आए भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खासमखास संजय सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को हराया है। यूपी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को सिर्फ सात मत मिले। शानदार जीत के बाद जहां बृजभूषण के बेटे प्रतीक भूषण सिंह ने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की तो वहीं अब बृजभूषण शरण सिंह के बाहर लगे पोस्टर में लिखा है- दबदबा तो है दबदबा तो रहेगा। ये तो भगवान ने दे रखा है। संजय ने चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह देश के हजारों पहलवानों की जीत है जिन्हें पिछले सात से आठ महीनों में नुकसान उठाना पड़ा है।' अनिता का पैनल हालांकि महासचिव पद अपने नाम करने में सफल रहा जब प्रेम चंद लोचब ने दर्शन लाल को हराया। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के पूर्व सचिव लोचब ने 27-19 से जीत दर्ज की. राष्ट्रीय राजमार्ग पर 'फूड ज्वाइंट्स की चेन' चलाने वाले और प्रदर्शनकारी पहलवानों के करीबी माने जाने वाले देवेंद्र सिंह कादियान ने आईडी नानावटी को 32-15 से हराकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। संजय सिंह मूल रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के रहने वाले हैं। इस समय वो वाराणसी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। संजय सिंह बबलू पिछले डेढ़ दशक से भी ज्यादा समय से कुश्ती संघ से जुड़े हैं और बृजभूषण शरण सिंह के काफी नजदीकी माने जाते हैं। वो 2008 से ही वाराणसी कुश्ती संघ के जिला अध्यक्ष हैं। संजय सिंह बबलू का 2009 में प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष के रूप में चयन हुआ था। अनीता श्योराण को बृजभूषण शरण सिंह का विरोधी माना जाता है। वह हरियाणा के भिवानी जिले की रहने वाली हैं। अनीता ने पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में भी बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ भी गवाही दी थी। अनीता कुश्ती के मैदान में भी बड़ी सफलता हासिल कर चुकी हैं, उन्होंने 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। अगर अनीता श्योराण ये चुनाव जीततीं, तो वो पहली महिला पहलवान होतीं।

क्रिसमस और नए साल पर देर रात तक खुली रहेगी शराब की दुकान

मुंबई। शराब प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर है. महाराष्ट्र सरकार ने क्रिसमस और नए साल पर मुंबई में होटल, बार और पब को देर रात तक खोलने की अनुमति दे दी है। सरकार ने ये इजाजत तीन दिनों के लिए दी है. इसके मुताबिक, इस महीने 24, 25 और 31 दिसंबर को शराब की खुदरा दुकानें रात 10.30 बजे से 1 बजे तक खोलने की इजाजत दी गई है. इस संबंध में एक्साईज विभाग ने सर्कुलर जारी कर दिया है. इस सर्कुलर में लिखा है कि, महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की धारा 139 (1) (सी) और धारा 143 (2) (एच 1) (आईवी) के तहत क्रिसमस एवं नव वर्ष के अवसर दिनांक 24 और 25 दिसंबर एवं दिनांक 31 दिसंबर को सरकार द्वारा विभिन्न शराब बिक्री लाइसेंस निर्धारित समय के बाद देर रात तक खुले रखने की मंजूरी दी जा रही है। क्लब अगले दिन सुबह 5 बजे तक और पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के लिए रात 1.30 बजे से सुबह 5 बजे तक। साथ ही बीयर बार को रात 12 बजे से अगले दिन सुबह 5 बजे तक जारी रखने की इजाजत दी गई है. इसके अलावा, महानगरपालिका के साथ-साथ अ, व और ब वर्ग के नगरपालिका क्षेत्र में लाइसेंसधारियों के लिए बार और वाइन की दुकानों को रात 11 बजे से रात 1 बजे तक और अन्य स्थानों पर रात 10 बजे से रात 1 बजे तक खोलने की अनुमति दी गई है।

कोविड-19 के बाद वैश्विक कर्ज में वृद्धि चिंता का विषय

नई दिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 के बाद वैश्विक कर्ज में वृद्धि एक बड़ी चिंता का विषय है। यह 2022 में 92 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 92 प्रतिशत है। 2020 की शुरुआत से अब तक लगभग 19 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर या वैश्विक सार्वजनिक ऋण का लगभग 20 प्रतिशत ऋण जमा हो चुका है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक ऋण साल 2028 तक 132 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद के विभिन्न ऋण चक्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि कोविड के बाद ऋण के स्तर में तेजी से वृद्धि के कारण ऋण संकट में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे कम आय वाले देशों में डिफाल्ट होने का जोखिम बढ़ गया है। एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि महामारी के बाद एडवांस्ड और ईएमडीई में ऋण स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं लो इंटरेस्ट रेट का फायदा उठा रही हैं। लेकिन अब, ब्याज दरें लंबी अवधि तक ऊंची रहने के साथ, उन्हें बढ़ती ऋण सेवा लागत का दर्द महसूस होगा। रेटिंग्स एजेंसी की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा, वैश्विक ऋण में हालिया उछाल इसकी तेज वृद्धि और भारी मात्रा दोनों में उल्लेखनीय है। ऋण के स्तर में तेज वृद्धि के साथ, ऋण संकट की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है। 2020 के बाद से लगभग 19 अर्थव्यवस्थाएं या तब अपने ऋण दायित्वों पर डिफॉल्ट कर चुकी हैं या उसका पुनर्गठन किया है।

आप नेता संजय सिंह को झटका, नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने राज्यसभा सांसद सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले गुरुवार को अदालत ने सिंह की जमानत अर्जी पर फैसला 22 दिसंबर के लिए तय करते हुए कार्यवाही स्थगित कर दी थी। दलीलों के दौरान, सिंह के वकील ने कथित रिश्वत के संबंध में, विशेष रूप से आरोपी से सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा और अन्य गवाहों के बयानों में विरोधाभास की ओर इशारा किया। प्रवर्तन निदेशालय ने सिंह के आवेदन का विरोध किया और दावा किया कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो इसमें संभावित हस्तक्षेप हो सकता है। 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किए गए आप सांसद सिंह ने 2021-2022 की रद्द की गई आबकारी नीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के ईडी के दावे का खंडन किया, उन्होंने आरोप लगाया कि इसने वित्तीय लाभ के लिए विशिष्ट शराब संस्थाओं को लाभ पहुंचाया। वह किसी भी गलत काम से इनकार करते हैं। दिल्ली शराब घोटाला, या उत्पाद शुल्क नीति मामला, इन आरोपों के इर्द-गिर्द घूमता है कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति ने गुटबंदी को बढ़ावा दिया, जिससे विशिष्ट डीलरों को फायदा हुआ, जिन्होंने कथित तौर पर रिश्वत दी थी। पिछले साल, ईडी ने मामले में अपना पहला आरोप पत्र दायर किया था, जिसमें 200 से अधिक खोज अभियानों का खुलासा किया गया था। मुख्य सचिव की जुलाई की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा अनुशंसित सीबीआई मामले के आधार पर एफआईआर शुरू की गई थी।

फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़े गए ईरानी को दो साल की जेल

महराजगंज। महराजगंज की एक अदालत ने फर्जी पासपोर्ट पर नेपाल जाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किए ईरानी नागरिक को दो साल की की सजा दी है। एडीजीसी ने शुक्रवार को बताया कि न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को आरोपी ईरानी नागरिक 38 वर्षीय हुसैन हमीदिया को दोषी करार देते हुए दो वर्ष की सजा सुनाई है।

स्मृति ईरानी ने लगाया गांधी परिवार पर अमेठी के किसानों को लूटने का आरोप

600 रुपये में किराए पर ली 30 एकड़ जमीन,

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार पर 2019 के आम चुनाव में राहुल गांधी को हराने तक पूर्व पारिवारिक गढ़ रहे अमेठी में जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने सिर्फ 600 रुपये में 30 एकड़ जमीन किराए पर ली। एएनआई की स्मिता प्रकाश के साथ उनके पॉडकास्ट पर बातचीत में अमेठी से भाजपा के लोकसभा सांसद ईरानी ने कहा कि गांधी परिवार ने औद्योगीकरण के नाम पर किसानों और अन्य लोगों से जमीन हथिया ली। मुझे लोगों को यह बताने में थोड़ा समय लगा कि वास्तव में मुझ पर विश्वास करें कि गांधी परिवार द्वारा लोगों से उनकी जमीनें लूटी जा रही थीं। मैंने संसद में यह कहा है।

600 रुपये में 30 एकड़ जमीन किराए पर ली गई। परिवार (गांधी) वहां अपने लिए एक अच्छा, सुंदर कॉम्प्लेक्स बनाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि जमीन का एक टुकड़ा, जिसका उपयोग अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए किया जाना था, गांधी परिवार ने एक कार्यालय के लिए हड़प लिया। ईरानी ने दावा किया कि जो लड़कियां परिवार (गांधी) के खिलाफ गईं और उनके खिलाफ धरना दिया, उन्हें जेल में डाल दिया गया। 2014 के आम चुनाव में स्मृति ईरानी उत्तर प्रदेश के अमेठी में राहुल गांधी से हार गईं। उन्होंने 2019 में गांधी से सीट छीनकर उस हार का बदला लिया। 47 वर्षीय ईरानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं।

पॉडकास्ट के दौरान, स्मृति ईरानी ने अपने प्रारंभिक जीवन पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे उन्होंने टाटा छात्रवृत्ति हासिल की। आप जो कुछ भी करते हैं उसका श्रेय पिताजी को जाता है÷ और अपनी खुद की पहचान बनाने के लिए मुंबई जाने की इच्छुक थीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं सिर्फ अपनी योग्यता के आधार पर कुछ बनना चाहती थी।

2019 के मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को पटना हाईकोर्ट से राहत....मामला हुआ रद्द

चंडीगढ़। पंजाब के वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर 2019 के लोकसभा चुनाव में धर्म के आधार पर वोट की अपील करने के मामले में दर्ज एफआईआर को पटना हाईकोर्ट ने रद्द करने के आदेश दिए हैं। मामले की सुनवाई कर पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश संदीप कुमार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता सिद्धू ने तब अपने भाषण के दौरान ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआई एम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा मुस्लिम वोटों के बंटवारे के खिलाफ आगाह किया था, सिद्धू की मंशा सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की नहीं बल्कि मुस्लिम वोट के बंटवारे को रोकने की थी। सिद्ध के खिलाफ 16 अप्रैल, 2019 में आईपीसी और रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ था। निचली अदालत के फैसले को सिद्धू ने पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि सिद्ध के भाषण से ऐसा नहीं लगता है कि याचिकाकर्त्ता ने दो वर्गों के लोगों या दो धर्मों के बीच दुश्मनी या नफरत की भावनाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया। सिद्धू ने केवल इतना कहा कि ओवैसी मुस्लिम वोटों को विभाजित करने की कोशिश कर रहे थे। सिद्ध के बयान में किसी भी सांप्रदायिक तनाव या हिंसा का जिक्र नहीं है, बल्कि केवल मुस्लिम समुदाय को ओवैसी के इशारे पर अपने वोट विभाजित करने के बारे में आगाह किया गया है। हाईकोर्ट ने आरोप को खारिज किया कि सिद्धू ने धर्म के नाम पर वोट मांगे थे।

सदन कार्यवाही : पुलिस को दी न्यायाधीश, जूरी और एक्जिक्यूटर शक्तियां: ओवैसी

-आईपीसी की जगह तीन नए कानून पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद सत्र के दौरान लोकसभा में भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लाए गए तीन नए कानूनों पर बहस चल रही है। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इन तीनों कानूनों को गुलामी की निशानी को मिटाने का प्रयास बताया। वहीं एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने इन नए कानूनों की तुलना रौलट ऐक्ट से कर दी। बहस के दौरान ओवैसी ने शायराना अंदाज में कहा, हमको शाहों की अदालत से तवक्को तो नहीं, आप कहते हैं तो जंजीर हिला देते हैं। इसके साथ ही 20 दिसंबर को लोकसभा में उन्होंने जॉन एलिया साहब का शेर -जुर्म में हम कमी करें भी तो क्यूं, तुम सज़ा भी तो कम नहीं करते, पढ़ा।

ओवैसी के अनुसार मोदी सरकार द्वारा लाए गए इन तीनों ही विधेयक में कई ऐसे प्रावधान जोड़े गए हैं जो काफी खतरनाक हैं। ये देश के आम नागरिकों की स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए खतरा हैं। इन नए कानूनों पर ओवैसी कहते हैं कि ये विधेयक भारत के आम लोगों के खिलाफ हैं। इसमें पुलिस को न्यायाधीश, जूरी और एक्जिक्यूटर के रूप में काम करने की शक्तियां दे दी गई हैं। अगर इसे कानून की शक्ल दी जाती है तो आम लोगों से उनके अधिकार छीन लिए जाएंगे।

आईपीसी में फिलहाल 511 धाराएं हैं। इसकी जगह भारतीय न्यायिक संहिता लेता है तो इसमें 356 धाराएं रह जाएंगी। पुराने कानून से नए कानून में 175 धाराएं बदल जाएंगी। भारतीय न्यायिक संहिता में 8 नई धाराएं जोड़ी जाएंगी, 22 धाराएं हटाई जाएंगी।

इसी तरह सीआरपीसी में 533 धाराएं रह जाएंगी और 160 धाराएं बदल जाएंगी। नए कानून में 9 नई धाराएं जोड़ी गई है और 9 खत्म का गई है। ओवैसी ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि देश की वर्तमान सरकार का मंत्र जनता के लिए अविश्वास और धंधे के लिए विश्वास मंत्र है। हमारे देश में आज सूट पहनने वाला व्यक्ति किसी भी सजा से बच जाता है। खाकी पहना व्यक्ति किसी को भी गोली मार सकता है उन्हें किसी तरह का जवाब भी नहीं देना होता। लेकिन, संसद में बैठे जिन लोगों पर आतंकवाद के आरोप हैं, वह इस कानून में बताएंगे कि आतंकवाद क्या है।

अपने पूरे भाषण के दौरान गुस्से में नजर आ रहे ओवैसी को जब किसी अन्य सदस्य ने टोका तो उन्होंने कहा कि वह मरने को तैयार हैं, उनकी गोलियां खत्म हो जाएंगी लेकिन वह जिंदा रहेंगे। ओवैसी ने इसी दौरान साल 1999 में उनके साथ ही पुलिस के हाथों पिटाई का भी एक किस्सा साझा किया। ओबैसी कहते हैं कि, 22 दिसंबर 1999 को पुलिस ने मुझे पीटा था उस दिन मेरे सिर पर 20 टांके लगाए गए थे। उस वक्त टीडीपी की सरकार थी और मुझे पीटने वाले दोनों पुलिसवालों को आईपीएस बना दिया गया।

गौरतलब है ?कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक का रास्ता लोकसभा में साफ हो गया। अब इन तीनों बिलों को जांच के लिए संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। इसके बाद इन्हें लोकसभा और बाद में राज्यसभा में पारित कराया जाएगा। अगर यह तीन विधेयक कानून की शक्ल लेता है तो ये बिल भारतीय दंड संहिता (आपीसी), कोड ऑफ़ क्रिमिनल प्रोसीजर और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह ले लेंगे।

सीएम विष्णुदेव का मंत्रिमंडल गठित, 9 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

-केन्द्र की मोदी सरकार ने नए कानून के तहत किया सजा का प्रावधान

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव के नए मंत्रिमंडल का गठन आज शुक्रवार को कर दिया गया। 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने और मुख्यमंत्री विष्णुदेव के बनने के बाद ही आज शुक्रवार को मंत्रिमंडल का गठन भी कर दिया गया। इसमें 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। मंत्रिपद की शपथ लेने वाले विधायकों में बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, केदार कश्यप, दयालदास बघेल और लखन लाल देवांगन भी शामिल हैं। बलौदाबाजार के विधायक विधायक टंकराम वर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली है। मंत्री बने टंकराम वर्मा शिक्षक की नौकरी छोड़ राजनीति में आए हैं। वहीं पहली बार की विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में लक्ष्मी राजवाड़े सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री हैं।

रायगढ़ से भाजपा विधायक और पूर्व आईएएल अधिकारी ओपी चौधरी को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। प्रशासनिक कौशल में माहिर ओपी चौधरी भी पहली बार ही विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे हैं। गौरतलब है कि साल 2018 में आईएएस अधिकारी के पद से इस्तीफा देकर चौधरी ने राजनीति में कदम रखा था। वहीं विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। जायसवाल सरगुजा संभाग के मनेन्द्रगढ़ विधानसभा सीट से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। मंत्री जायसवाल भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। इसी के साथ अब 9 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री साय अपनी सरकार को चलाने के लिए तैयार दिख रहे हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि हो सकते हैं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर साल की तरह इस साल भी गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य बनाने की तैयारियां हो रही हैं। समारोह में विदेशी मेहमानों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों गणतंत्र दिवस समारोह-2024 में मुख्य अतिथि हो सकते हैं। इस वक्त भारत और फ्रांस के बीच मैक्रों के भारत दौरे के बारे में बातचीत जारी है। भारत की तरफ से फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने के लिए आमंत्रण पत्र भेज दिया गया है। इसी साल 2023 में फ्रांस के बस्तील डे समारोह पर पीएम नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे। कोविड महामारी के कारण 2021 और 2022 में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कोई मुख्य अतिथि नहीं बुलाया गया था। 26 जनवरी को इस कार्यक्रम में फ्रांस के किसी राष्ट्रपति को छठी बार आमंत्रित किया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को गणतंत्र दिवस के मौके पर आमंत्रित किया जाना दोनों देशों के बीच विकसित हुई मजबूत निकटता और भरोसे को दर्शाता है। भारत का गणतंत्र दिवस समारोह राजनयिक संबंधों को पेश करने और सेनाओं की ताकत का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। पहले के गणतंत्र दिवस परेड की एक उल्लेखनीय विशेषता राफेल जेट्स का एयर शो रहा था। जो भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग की मिसाल को सामने लाता है।

राहुल गांधी का आरोप, बेरोजगार युवा अब संसद में घुस रहे

-आज युवा साढ़े सात घंटे मोबाइल में बिता रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर मंतर पर आयोजित इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन को संबोधित कर कांग्रेस सांसद और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, हम सब विपक्ष के नेता और विपक्ष के कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच की लड़ाई है। नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला कर कहा कि आज देश में बोलने की आजादी खत्म हो रही है और युवा बेरोजगार होते जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने संसद में हुई सुरक्षा चूक का मुद्दा उठाकर कहा, सवाल सिक्योरिटी ब्रीच का है, लेकिन सवाल ये भी है कि उन युवाओं ने ये प्रोटेस्ट क्यों किया? उसका कारण है बेरोजगारी, देश में भयंकर बेरोजगारी है और युवा आज रोजगार नहीं पा सकता है। मैंने किसी से कहा कि एक काम करो, एक छोटा सा सर्वे करो, किसी भी शहर में चले जाओ और पता करो कि हिंदुस्तान के जो युवा हैं, वहां मोबाइल पर दिन में कितना घंटा बिताते हैं। वहां भी छोटे शहर में

पता कराया, मैं हैरान रह गया कि साढ़े सात घंटे युवा एक दिन में फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, मेल पर यानि सेलफोन पर रहता है। यानि मोदी सरकार में हिंदुस्तान का युवा साढ़े सात घंटे फोन पर रहता है, क्योंकि मोदी जी ने उस युवा को रोजगार नहीं दिया। जो सिक्योरिटी ब्रीच हुआ संसद में वहां इस वजह से हुआ क्योंकि युवाओं को रोजगार नहीं मिला और वह कूदकर संसद में आ गए।

सांसदों के निलंबन का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा, कुछ दिन पहले संसद भवन में दो-तीन युवा कूदकर अंदर आ गए। उन्हें कूदते हुए हम सभी ने देखा। वे अंदर आए, उन्होंने थोड़ा धुआं फैलाया, भाजपा के सभी सांसद भाग गए... जो अपने आप को देश भक्त कहते हैं उनकी हवा निकल गई थी.. वे अंदर कैसे आए? संसद के अंदर वे गैस का सिलेंडर ले आए?... उन्होंने ये विरोध क्यों किया? उसका कारण क्या था? बेरोजगारी!... इस देश का युवा आज रोजगार नहीं पा सकता है। अमित शाह से सवाल से पूछा कि आप गृह मंत्री हैं ये दो युवा संसद में कैसे आ गए?, तब उन्होंने जवाब नहीं दिया बल्कि 150 सांसदों को बाहर कर दिया।

राहुल ने कहा, हर सांसद लाखों वोट लेकर आता है। आपने केवल 150 लोगों का अपमान हीं किया बल्कि हिंदुस्तान की 60 फीसदी जनता का मुंह बंद किया। आप अग्निवीर योजना लाए और युवाओं से आपने देशभक्ति की फीलिंग छीनी। जब युवा अग्निवीर के खिलाफ खड़े हुए, तब आपने उनसे कह दिया कि आप प्रदर्शन करते हैं, तब आपको सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। अपने भाषण के अंत में राहुल गांधी ने कहा, हम सब विपक्ष के नेता और कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच में है। जैसे मैंने कहा कि नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। जितना आप लोगों को डराएंगे उतना इंडिया एलाएंस भाईचारा फैलाएगा, एकता फैलाएगा।

महाराष्ट्र में बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा दुर्व्यवहार, आंकड़ों से हुआ चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध और महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि हुई है। दरअसल ये चौंकाने वाली जानकारी रिपोर्ट से सामने आई है. इसके अलावा हाल ही में जारी हुई नेशनल क्राइम रजिस्टर की रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ है कि महाराष्ट्र में भी अपराध बढ़ा है. विश्लेषण से पता चला है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में बच्चों के खिलाफ अपराधों में भारी वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देशभर में बच्चों के खिलाफ अपराध में काफी बढ़ोतरी हुई है. देशभर में बच्चों को लेकर 1 लाख 62 हजार अपराध दर्ज किए गए हैं. लड़के-लड़कियों के खिलाफ अपराध में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. चौंकाने वाली बात यह है कि इन अपराधों में देश में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। जबकि दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है. यह सनसनीखेज जानकारी नेशनल क्राइम रजिस्टर की रिपोर्ट से सामने आई है. इसमें बताया गया है कि देश में नाबालिग लड़के-लड़कियों के खिलाफ अपराध में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि नाबालिगों के खिलाफ दुर्व्यवहार के मामलों में भी महाराष्ट्र में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है। देशभर में नाबालिगों पर अत्याचार के 1 लाख 62 हजार 449 मामले दर्ज किए गए हैं. नाबालिगों के खिलाफ यौन शोषण और अन्य दुर्व्यवहारों के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। महाराष्ट्र में 20 हजार 762 मामले दर्ज किए गए हैं. दूसरे स्थान पर मौजूद मध्य प्रदेश में 20 हजार 415 अपराध दर्ज किये गये हैं. उत्तर प्रदेश में 18,682 मामले, राजस्थान में 9370 मामले और पांचवें स्थान पर ओडिशा में 8 हजार 240 मामले हैं। उत्तर प्रदेश में नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ के सबसे ज्यादा 999 मामले हैं, जबकि केरल राज्य में नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ के 930 मामले हैं। तेलंगाना में 113 लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया गया. महाराष्ट्र में नाबालिग लड़की से रेप के बाद हत्या की 14 घटनाएं हो चुकी हैं. ऐसे अपराधों में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में 37 नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

मुंबई में भी अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी

इस बीच आम तौर पर सुरक्षित मानी जाने वाली मुंबई में भी अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है. ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पंजीकृत अपराधों की संख्या के मामले में मुंबई दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल देश में कुल 58 लाख 24 हजार 946 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें

आईपीसी के तहत 35 लाख 61 हजार 379 अपराध और राज्य के विशेष कानूनों के तहत 22 लाख 63 हजार 364 अपराध शामिल हैं. हालांकि, 2021 की तुलना में 2022 में अपराध 4.5 फीसदी बढ़ गए हैं. इसमें पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहले, महाराष्ट्र दूसरे और मध्य प्रदेश तीसरे स्थान पर है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

लोकसभा में सांसदों को एक साथ निलंबित करने के मुद्दे पर राजनीति गरमाई

सलाबतपुरा पुलिस कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेते हुए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लोकसभा में सवाल पुछनेवाले सांसदों को निलंबित करने के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा समग्र देश में विरोध प्रदर्शन शुरूकिया है। जिसके तहत सूरत शहर कांग्रेस द्वारा रिंगरोड बाबा साहेब आंबेडकर प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था तभी सलाबतपुरा पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं को विरोध प्रदर्शन करने से रोकते हुए उन्हे हिरासत में ले लिया। सूरत शहर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश सूर्यवंशी ने जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा राज में संसद भी असुरक्षित है, भाजपा की तानाशाही मानसिकता लोकतंत्र के लिए खतरा है। देश के मुख्य मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती असमानता, महिला सुरक्षा सहित कई मोर्चों पर भाजपा विफल रही है। लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन में सवाल पूछने वाले सांसदों को जवाब देने की बजाय उन्हें निलंबित कर जवाब देने से बचा जा रहा है।

लोकतंत्र पर शर्मनाक हमले में, केंद्र की भाजपा सरकार ने आश्चर्यजनक रूप से संसद के दोनों सदनों से १४२ सांसदों को निलंबित कर दिया है। लोकतांत्रिक सिद्धांतों की हत्या समान इस कृत्य ने हमारी संसद को एक मृत अवस्था में बदल दिया है। दिल्ली में बुलाई गई इंडिया अलायंस पार्टियों की बैठक में संगठित एकता के साथ जवाब देने और पुरजोर विरोध करने का दृढ़ निर्णय लिया गया है। मोदी सरकार द्वारा १४२ सांसदों को निलंबित करने और लोकतंत्र की नींव पर किए गए हमले के खिलाफ २२-१२-२०२३ शुक्रवार को देशभर में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

इसके एक भाग के रूप में, सूरत शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आज २२-१२-२०२३ को दोपहर १२ बजे सूरत के रिंग रोड स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कांग्रेस नेताओं को सलाबतपुरा थाना पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस अवसर पर सूरत शहर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश सूर्यवंशी, शंभूभाई प्रजापति, सुनाल शेख, रायशा शेख, मनोज पाढ़ी, गोविंद तलसानिया और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पी.पी. सवाणी ग्रुप द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह में मेहंदी रसम का भव्य कार्यक्रम

५००० से ज्यादा बेटियों ने लगाई हाथों में मेहंदी लगाई गई, पालक पिता महेशभाई ने भी मेहंदी लगाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में शुक्रवार, २२ दिसंबर को सुबह के नौ बजे हैं... सूरत के बाहरी इलाके अब्रामा गांव में पी.पी. सावनी चैतन्य विद्या कॉम्प्लेक्स में गुलाबी ठंड के साथ मेंहदी की खुशबू पूरे वातावरण में फैली हुई है। साथ ही उन्होंने मेंहदी ते वावी माडवे ने एनो रंग गयो गुजरात रे.... मेंहदी लीली ने रंग रातो..., मारी मेंहदी नो रंग उड़ी जाय रे... जैसे हिंदी गुजराती गानों से माहौल सुरीला हो गया है। ऐसा ही एक अद्भुत मौका बना है पी.पी. सवाणी ग्रुप के आंगन में और मौका था मेहंदी रसम का। २४ दिसंबर को पी. पी. सवाणी ग्रुप द्वारा आयोजित मावतर लग्नोत्सव के तहत शुक्रवार २२ दिसंबर को मेहंदी

शिक्षा समिति ने नए सत्र से सभी छात्रों को स्कूल बैग देने का निर्णय लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की आज हुई आम बैठक में ९२० करोड़ के बजट पर मुहर लगा दी गई। विपक्ष काफी विरोध के बीच बजट को मंजूरी दे दी गई। शिक्षा समिति के ८०० करोड़ के बजट में १२० करोड़ की बढ़ोतरी कर ९२० करोड़ के बजट की घोषणा की गई है। बजट में शासकों ने नए सत्र से सभी छात्रों को स्कूल बैग देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कक्षा-६ में विद्यालय में प्रथम आने वाले छात्रों को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में साइकिल देने का

शिक्षा समिति के लिए ९२० करोड़ के बजट की घोषणा की गई

निर्णय लिया गया है।

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में आज बजट की विशेष आमसभा हुई। जिसमें नगर प्राथमिक शिक्षा समिति, सूरत के प्राथमिक शिक्षा कोष की आय और व्यय में वृद्धि और कमी के साथ २०२३-२४ का संशोधित बजट पेश किया गया। इस बजट को शासकों ने छात्रों की पढ़ाई के साथ-साथ समग्र विकास का बजट बताया था। वहीं विपक्ष की मांग है कि इस बजट में पेश की गई धनराशि का पूरा उपयोग किया जाए साथ ही शिक्षा समिति स्कूलों में स्टाफ की कमी को भी दुर किया जाए। इसके अलावा उन्होंने बजट में रही कुछ क्षतियों को दूर करने की मांग की।

शिक्षा समिति के भाजपा शासकों ने बजट में एक विशेष प्रावधान किया और कहा कि अगले वर्ष जब नया सत्र शुरू होगा तो कक्षा १ से ८ तक पढ़ने वाले सभी छात्रों को जूते, वर्दी और अब स्कूल बैग भी दिये जायेंगे। बजट में पांच करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा कक्षा-६ में स्कूल में प्रथम आने वाले विद्यार्थी को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में साइकिल दी जायेगी। शिक्षा समिति ने ३२० स्कूलों के लिए साइकिल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

सूरत में दो दिवसीय सीए छात्रों के लिए मेगा कॉन्फ्रेंस "भारत रथ" का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया सूरत ब्रांच ऑफ WIRC ऑफ ICAI की ओर से २३ और २४ दिसंबर को मेगा कॉन्फ्रेंस ऑफ स्टूडेंट्स "भारत रथ " का आयोजन किया गया है। सूरत ब्रांच के चेयरमैन CA अरुण नारंग और सूरत ब्रांच WICAS (स्टूडेंट एसोसिएशन) के चेयरमैन CA दुष्यंत विठलानी ने बताया कि पश्चिम भारत से १२०० से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट के स्टूडेंट इस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा ले रहे हैं। इस साल मेगा कॉन्फ्रेंस में प्रमुख तौर पर स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट, फाइनेंशियल मैनेजमेंट , बिजनेस केस स्टडीज , एथिक्स , CA के लिए अवसर , फाइनेंस जैसे विषयों पर विशेषज्ञ अपने अनुभव के साथ विश्लेषण करेंगे। इस अवसर पर ICAI के CCM C विशाल दोशी और ष्ठ पुरुषोत्तम खंडेलवाल व WIRC ऑफ ICAI के प्रमुख CA अर्पित काबरा कॉन्फ्रेंस में उपस्थित रहेंगे।

शहर को स्वच्छ रखने के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए "नित्या एनसेफ" का प्रयास

डोमेस्टिक वेस्ट वाटर रिसायकल के साथ गहन चर्चा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पिछले कई वर्षों से पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रही संस्था "नित्या एनसेफ" द्वारा घरों और होटल- रेस्टोरेंट से निकलने वाले अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) को कैसे रिसाइकिल कर पुन: उपयोग में लाया जाए, इस विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिए किनोट सत्र का आयोजन किया गया था।

जिसमें चर्चा के लिए वक्ता एवं पैनलिस्ट के रूप में गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ.जिज्ञासा ओझा को आमंत्रित किया गया था। जिन्होंने सुएज ट्रीटमेंट प्लांट एवं वेस्ट वाटर रीसाइक्लिंग पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि एक अनुमान के अनुसार, कुल प्रदूषण में औद्योगिक प्रदूषण का हिस्सा लगभग ३२.४त्न है, जबकि जनसंख्या घनत्व के कारण शौचालयों, रसोई और अन्य घरेलू स्रोतों से निकलने वाले सीवेज का प्रतिशत ६७.६त्न है। कार्यक्रम के आयोजक ॐनित्या एनसेफॐ के निदेशक ईशान शाह ने बताया कि शाम ६=३० बजे से अमोर बैंक्वेट में किनोट सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद मुख्य वक्ता और पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित अतिथि गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जिज्ञाशा ओझा, मैग्नेट प्रोजेक्ट्स के संस्थापक और एमडी चिराग शाह, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वाघसिया के स्थान पर निखिलभाई मद्रासी, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सनत रेलिया और एसटीपी विशेषज्ञ ॐनित्या एनसेफॐ के निदेशक ईशान शाह ने घरेलू अपशिष्ट (वेस्ट वाटर) के रिसायकल पर अपनी बात रखी।

विशेषज्ञ चिरागभाई ने उल्लेख किया कि लगातार रखरखाव के मुद्दों के कारण, उद्योग सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपनाने में अनिच्छुक हैं, लेकिन आजकल एसटीपी ॐनित्या एनसेफॐ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एमबीआर जैसी उन्नत तकनीक के कारण कम से कम ६ महीने के भुगतान के साथ सीवेज को रीसाइक्लिंग करने में सक्षम हैं।

विशेषज्ञ श्री सनत रेलिया ने बेहतर कचरा संग्रहण के लिए उचित गली ट्रैप के साथ किसी भी परियोजना को डिजाइन करके उचित जल निकासी व्यवस्था प्रदान करने और रसोई के तेल और अन्य बड़े कणों से मुक्त पानी, बाथरूम और शौचालय के पानी के गंदे पानी को एक साथ मिश्रित करने की आवश्यकता पर चर्चा की। जिससे एसटीपी का बेहतर उपयोग प्राप्त किया जा सकता है।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव निखिल मद्रासी एवं गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जिज्ञाशा ओझा ने सूरत में इस तरह के पहले और एकमात्र आयोजन में बड़ी हिस्सेदारी की सराहना की। जिसमें घरेलू अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) के विषय प्रस्तुत किया गया और निकट भविष्य में एसजीसीसीआई और जीपीसीबी द्वारा भी इस तरह के कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा। वहीं, ॐनित्या एनसेफॐ के निर्देशक ईशान शाह ने सहयोग के लिए तत्परता दिखाई है।

श्री ईशान शाह, निर्देशक, नित्या एनसेफ ने अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) रिसायकल में नए युग की तकनीक के बारे में स्पष्ट विचार रखने के लिए पैनल चर्चा के दौरान अपने विशेषज्ञ ज्ञान को जोड़कर सत्र का त्रुटिहीन संचालन किया।

उल्लेखनीय है कि प्रारंभ में हमारी संस्कृति के अनुसार खुले में शौच एवं खुले में मूत्रालय की व्यवस्था थी। लेकिन प्रकृति में इसके कम घनत्व के कारण, मानव अपशिष्ट आसानी से बायोडिग्रेडेबल होता था और प्रकृति के साथ मिल जाता था। परिवर्तन के कारण, अब शहरीकरण के कारण शौचालयों, रसोई और अन्य घरेलू स्रोतों से निकलने वाले सीवेज को पाइप द्वारा नदी में बहा दिया जाता है, जो अपनी विशाल मात्रा के कारण उद्योगों की तुलना में अधिक प्रदूषण फैलाता है। इसलिए आजकल शहर में बढ़ते घनत्व के कारण प्रत्येक लाभ कमाने वाली संस्था में एसटीपी लगाने की अत्यधिक आवश्यकता है। सेप्टिक टैंक अब आज के अपशिष्ट जल निपटान के उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकते हैं।

व्यावहारिक स्थितियों में सीपीसीबी के विस्तृत दिशानिर्देशों के अनुसार, अस्पताल, होटल, रेस्तरां या कोई अन्य लाभ कमाने वाली एजेंसियां २ से अधिक टावरों वाले आवासीय भवनों, १००० से अधिक कार्यालयों वाले वाणिज्यिक भवनों और घरेलू सीवेज के रिसाइकलिंग के लिए भी जिम्मेदार हैं।

यह भी महसूस किया गया है कि १०० से अधिक मानव शक्ति या १०्यरू से कम घरेलू अपशिष्ट जल उत्पादन वाले उद्योग उचित प्रौद्योगिकी के साथ घरेलू अपशिष्ट जल के रिसायकल के लिए जिम्मेदार हैं। आजकल नवीनतम फिल्टर के साथ एमबीआर तकनीक का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, इसलिए एसटीपी चुनते समय तकनीक को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस बारे में "नित्या एनसेफ" के डायरेक्टर ईशान शाह ने सटीक मार्गदर्शन दिया।